संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 171
पृष्ठ 8
गुरूवार
12 मार्च 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– अच्छी नींद के लिए सोने से पहले...

विचार– नीतीश की विदाई या जदयू का सफाया

खेल– फ्लाइट नहीं मिली तो ट्रेन की...

मिडिल ईस्ट संकट पर राजनीति कर रही कांग्रेस, केरल में बोले प्रधानमंत्री मोदी

युद्ध ने हमें फिर समझाया आत्मनिर्भरता का महत्व

कोच्चि,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को राष्ट्र को समर्पित करते हुए कोच्चि में लगभग 10,800 करोड़ रुपये की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया, जो केरल में अवसंरचना, ऊर्जा और औद्योगिक विकास को एक बड़ा बढ़ावा देती हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद ने कहा कि केरल की जनता ने देखा है कि कांग्रेस के नेता ड्रोन निर्माण में भारत के युवाओं की उल्लेखनीय उपलब्धियों से अनभिज्ञ हैं। कांग्रेस नेता को यह जानकारी नहीं है कि भारत में कई कंपनियां ड्रोन का निर्माण कर रही हैं। उन्हें यह भी नहीं पता कि केरल के युवाओं ने ड्रोन विकसित करने के लिए स्टार्टअप शुरू किए हैं। जो व्यक्ति अपनी संकीर्ण सोच में जकड़ा रहता है, वह देश की प्रगति को कभी नहीं देख पाएगा। मोदी ने कहा कि

खाड़ी और पश्चिम एशिया में जो कुछ हो रहा है, उसे लेकर आप सभी का चिंतित होना स्वाभाविक है। याद रखिए, आज भाजपा–एनडीए सरकार सत्ता में है। जब भी हमारे देश का कोई नागरिक संकट में होता है, हम उसकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगा देते हैं। उन्होंने कहा कि चाहे इराक से नर्सों को बचाना हो या यमन में आतंकवादियों के चंगुल से फादर टॉम को छुड़ाना हो, भारत आज भी संकट के समय में अपने नागरिकों को कभी नहीं छोड़ता। आज भी हमारा प्रयास युद्धग्रस्त देशों में फंसे भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि मुझे इस बात की तसल्ली है कि खाड़ी के हमारे सभी मित्र देशों की सरकारें हमारे नागरिकों का ख्याल रख रही हैं। उन देशों में हमारे मिशन और दूतावास चौबीसों घंटे उनकी सहायता कर रहे हैं। लेकिन यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि कांग्रेस पार्टी इतने बड़े वैश्विक संकट के बीच भी राजनीति में उतरने की कोशिश कर रही है। कांग्रेस जानबूझकर भड़काऊ और गैर–जिम्मेदाराना बयान देकर स्थिति को और बिगाड़ रही है। ताकि हमारे लोग इस संकट में फंसे रहें, और फिर ये लोग मोदी को गाली देने वाली रीलें बनाने का अभियान शुरू कर सकें। मोदी ने कहा कि खाड़ी में चल रहे युद्ध ने हमें एक बार फिर आत्मनिर्भरता का महत्व सिखाया है। हमने कोविड संकट, यूक्रेन संकट के दौरान आत्मनिर्भरता का महत्व देखा है और मौजूदा संकट ने इसे एक बार फिर साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि एक तरफ भाजपा–एनडीए देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस और वामपंथी दल आत्मनिर्भर भारत अभियान का मजाक उड़ाने में लगे हैं... इन्होंने देश को विदेशी देशों पर और भी ज्यादा निर्भर बना दिया है। आज ये सभी मिलकर अफवाहें फैलाने में लगे हैं। यहां तक घ्घकि युद्धकाल में भी कांग्रेस, वामपंथी दल और उनके सहयोगी संगठन अपनी सारी ऊर्जा देश में दहशत फैलाने और संघर्ष पैदा करने में लगा रहे हैं।

विपक्ष पर वार करते हुए नरेंद्र मोदी ने कहा कि सबरीमाला मंदिर मामले में उनकी साझेदारी पर विचार करें। एलडीएफ सदस्यों पर सोना लूटने का आरोप है, जबकि यूडीएफ सदस्यों पर चोरी का सोना बेचने का आरोप है। उन्होंने कहा कि एक तरफ कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ है, जो अब मुस्लिम लीग–माओवादी कांग्रेस (एमएमसी) बन चुका है।

पीजी की चौथी मंजिल से गिरे थे हरीश, फिर कभी न उठे

30 वर्षीय हरीश राणा को इच्छामृत्यु

नई दिल्ली,एजेंसी। करीब 13 साल से कोमा में बिस्तर पर पड़े गाजियाबाद के 30 वर्षीय हरीश राणा को इच्छामृत्यु (पैसिव यूथेनेसिया) देने की मांग पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुना दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा को इच्छामृत्यु की इजाजत दे दी है। हरीश के परिवार की याचिका पर न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने फैसला सुनाया। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट का माहौल काफी भावुक दिखा। यहां तक की न्यायमूर्ति जेबी परदीवाला भी भावुक हो गए। हरीश राणा को इच्छामृत्यु की अनुमति पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस जे बी पारदीवाला कुछ देर के लिए बहुत ही भावुक नजर आए। फैसला पढ़ते समय जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि हरीश राणा कभी एक मेधावी छात्र थे और अपने भविष्य के सपने देख रहे थे। हादसे ने उनकी जिंदगी पूरी तरह बदल गई। कोर्टरूम में मामले की परिस्थितियों का जिक्र करते–करते

जस्टिस पारदीवाला भावुक हो गए और कुछ देर के लिए उनकी आंखें नम हो गईं।

जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यह बेहद दुखद है। यह हमारे लिए मुश्किल फैसला है, लेकिन इस लड़के (हरीश) को यूं अपार दुख में नहीं रख सकते। हम उस स्टेज में है, जहां हमें आखिरी फैसला लेना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने हरीश राणा के परिवार की प्रशंसा करते हुए कोर्ट ने कहा कि उनके परिवार ने कभी उनका साथ नहीं छोड़ा। किसी से प्यार करने का मतलब है, सबसे बुरे समय में भी उनकी देखभाल करना। चंडीगढ़ में रह कर पढ़ाई कर रहे हरीश 2013 में अपने हॉस्टल की चौथी मंजिल से गिर गए थे। इससे उनके सिर में गंभीर चोटें आई थी। उसके बाद से वह लगातार बिस्तर में अचेत हालत में है। लगातार बिस्तर पर पड़े रहने के कारण उनके शरीर पर घाव हो गए हैं। लकवाग्रस्त हरीश को सांस लेने, भोजन करने और रोजमर्रा की देखभाल के लिए चिकित्सा सहायता की जरूरत पड़ती है। एम्स के डॉक्टरों की टीम ने राणा के घर जाकर उनकी जांच की थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट पेश की थी, जिसमें बताया गया कि हरीश ट्रेकियोस्टोमी ट्यूब के जरिए सांस ले रहे हैं और गैस्ट्रोस्टॉमी ट्यूब के माध्यम से उन्हें भोजन दिया जा रहा है।

सीएम योगी का अल्टीमेटम– होगी सख्त कार्रवाई

यूपी में एलपीजी सिलेंडर पर अफवाह फैलाने वालों की खैर नहीं

लखनऊ, संवाददाता। मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान के बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को चेतावनी दी कि उत्तर प्रदेश में तेल या गैस की कमी के बारे में अफवाहें फैलाने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने राज्य भर के सभी जिला मजिस्ट्रेटों और पुलिस प्रमुखों को सख्त निर्देश जारी करते हुए उन्हें सतर्क रहने और गलत सूचनाओं के कारण जनता में दहशत न फैलने देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री योगी ने अधिकारियों को स्थिति पर कड़ी नजर रखने का निर्देश देते हुए कहा कि गैस और तेल की कालाबाजारी किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अफवाहें फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, भ्रामक जानकारी फैलाने वाले व्यक्तियों की पहचान करने और उनके खिलाफ कार्रवाई करने के लिए पुलिस मुख्यालय और जिला स्तर पर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की निगरानी तेज कर दी गई है। सभी

जिलों में पुलिस टीमों को पेट्रोल पंपों के आसपास कड़ी निगरानी रखने का निर्देश दिया गया है ताकि जमाखोरी और अवैध गतिविधियों को रोका जा सके। साथ ही, जिला प्रशासन और आपूर्ति विभाग के अधिकारियों को गैस एजेंसियों और दुकानों का निरीक्षण करने का निर्देश दिया गया है। अधिकारियों को एलपीजी सिलेंडरों का अवैध भंडारण करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा गया है। राज्य सरकार की यह चेतावनी ऐसे समय में आई है जब पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति बाधित होने का खतरा है।

इस संकट ने भारत की लगभग 30 प्रतिशत गैस आपूर्ति को प्रभावित किया है, जिसके चलते केंद्र सरकार को आपातकालीन उपाय करने पड़े हैं। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक राजपत्र अधिसूचना जारी कर निर्देश दिया है कि उपलब्ध गैस को गैर–प्राथमिकता वाले क्षेत्रों से आवश्यक उपयोगकर्ताओं की ओर मोड़ा जाए। भारत वर्तमान में अपनी दैनिक प्राकृतिक गैस की मांग (191 मिलियन मानक घन मीटर प्रतिदिन) का लगभग आधा हिस्सा आयात से पूरा करता है।

बढ़ते वैश्विक संघर्षों के बीच राजनाथ सिंह ने उठाया बड़ा कदम

भारत की सेना को आधुनिक, समन्वित, तकनीकी रूप से उन्नत और विश्व स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक संघर्षों और तेजी से बदलते सामरिक समीकरणों के इस दौर में भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अपनी दूरदर्शी रणनीति से पूरी दुनिया को चौंका दिया है। एक ओर जहां भारत अपनी सेना को आधुनिक और भविष्य के युद्ध के लिए तैयार करने के लिए रक्षा बल विजन 2047 जैसा व्यापक रोडमैप सामने लाया है, वहीं दूसरी ओर भारतीय रक्षा निर्यात भी तेजी से वैश्विक बाजार में अपनी मजबूत पहचान बना रहा है। ब्रह्मोस जैसी अत्याधुनिक मिसाइल प्रणालियों की अंतरराष्ट्रीय मांग और इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ हुए समझौते यह स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि भारत अब केवल अपनी सुरक्षा तक सीमित नहीं है बल्कि वैश्विक रक्षा व्यवस्था में भी एक निर्णायक शक्ति के रूप में उभर रहा है।

देखा जाये तो आज दुनिया ऐसे दौर से गुजर रही है जहां हर महाद्वीप में संघर्ष, शक्ति संतुलन और सामरिक प्रतिस्पर्धा तेज हो चुकी है। इसी दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह द्वारा

जारी किया गया दस्तावेज रक्षा बल विजन 2047 इसी रणनीतिक सोच का सशक्त उदाहरण है, जो स्पष्ट करता है कि मोदी सरकार भारत को केवल सुरक्षित ही नहीं बल्कि सामरिक रूप से प्रभावशाली राष्ट्र बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है। नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक में जारी इस व्यापक दृष्टि दस्तावेज का उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत की सेना को आधुनिक, समन्वित, तकनीकी रूप से उन्नत और विश्व स्तर पर सम्मानित सैन्य शक्ति में बदलना है। यह वही वर्ष होगा जब भारत अपनी स्वतंत्रता के सौ वर्ष पूरे करेगा। इस दस्तावेज में सैन्य सुधार, क्षमता विस्तार, संगठनात्मक पुनर्रचना और उन्नत तकनीक के व्यापक उपयोग का स्पष्ट रोडमैप प्रस्तुत किया गया है।

दरअसल आज युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। अब केवल जमीन, समुद्र और आकाश में लड़ाई नहीं होती बल्कि सूचना, प्रौद्योगिकी और साइबर जैसे अनेक क्षेत्रों में भी मुकाबला होता है। इसी कारण इस विजन दस्तावेज में भारतीय सेना को बहु क्षेत्रीय और तीव्र प्रतिक्रिया देने वाली शक्ति के रूप में विकसित करने की योजना रखी गई है। लक्ष्य यह है कि भारत की सेना किसी भी संभावित खतरे का समय रहते जवाब दे सके और दुश्मन को आक्रामक कदम उठाने से पहले ही रोक सके।

इस रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और संयुक्त क्षमता का विकास है। थल सेना, नौ सेना और वायु सेना के बीच योजनाओं, अभियानों और तकनीकी विकास में गहरा तालमेल स्थापित किया जाएगा। इससे सैन्य दक्षता बढ़ेगी और जटिल सुरक्षा परिस्थितियों में भी भारत की प्रतिक्रिया तेज और प्रभावी होगी। आधुनिक युद्ध में यही संयुक्तता निर्णायक साबित होती है।

मोदी सरकार की रक्षा नीति का एक और केंद्रीय स्तंभ आत्मनिर्भरता है। लंबे समय तक भारत रक्षा उपकरणों के लिए विदेशी आयात पर निर्भर रहा, जिससे न केवल रणनीतिक स्वतंत्रता सीमित होती थी बल्कि आर्थिक बोझ भी बढ़ता था। अब सरकार ने स्वदेशी रक्षा निर्माण को राष्ट्रीय प्राथमिकता बना दिया है। नई नीति के तहत देश में रक्षा उत्पादन, अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को अभूतपूर्व प्रोत्साहन दिया जा रहा है। रक्षा बल विजन 2047 इसी आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसमें स्वदेशी तकनीक के विकास, घरेलू रक्षा उद्योग को मजबूत करने और भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप सैन्य समाधान तैयार करने पर जोर दिया गया है। इससे सेना की तैयारी मजबूत होगी और साथ ही देश की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिलेगी। वैश्विक सुरक्षा वातावरण की जटिलता को देखते हुए इस दस्तावेज में पूरे राष्ट्र की संयुक्त भागीदारी की अवधारणा भी सामने रखी गई है। इसका अर्थ है कि राष्ट्रीय सुरक्षा केवल सेना की जिम्मेदारी नहीं बल्कि कूटनीति, प्रौद्योगिकी, उद्योग और आर्थिक शक्ति के समन्वय से ही मजबूत होती है। यही समग्र दृष्टिकोण भारत को आने वाले दशकों में एक मजबूत और सुरक्षित राष्ट्र बनाएगा। इसके अलावा, भारत की नई रक्षा नीति की प्रभावशीलता का स्पष्ट प्रभाव अंतरराष्ट्रीय रक्षा बाजार में भी दिखाई दे रहा है। हाल ही में दक्षिण पूर्व एशिया का महत्वपूर्ण देश इंडोनेशिया भारत से ब्रह्मोस मिसाइल प्रणाली खरीदने पर सहमत हुआ है।

अमित शाह बोले–

अध्यक्ष सभी दलों के होते हैं, स्पीकर के खिलाफ विपक्ष के अविश्वास प्रस्ताव पर

नई दिल्ली,एजेंसी। गृह मंत्री अमित शाह ने स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि सदन नियमों से चलता है, जब किसी मुद्दे पर चर्चा हो रही है, तो उसे मुद्दे पर अपनी बात रखी जाती है। लेकिन कुछ सदस्य ये बात नहीं समझते हैं। इस स्पीकर का कर्तव्य है कि उन्हें वे टोके और निष्कासित, निलंबित भी कर सकते हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने इस दौरान कहा कि अध्यक्ष के निर्णय पर शंका नहीं कर सकते हैं। गृहमंत्री ने कहा कि जब आप अध्यक्ष की निष्ठा पर सवाल खड़े करते हो तो इससे ज्यादा निंदनीय कुछ नहीं हो सकता है। इस दौरान गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि स्पीकर सदन के संरक्षक

होते हैं। ये कोई सामान्य घटना नहीं है, करीब चार दशक बाद एक बार फिर से लोकसभा अध्यक्ष के सामने अविश्वास प्रस्ताव आया है। ये संसदीय राजनीति और सदन दोनों के लिए अफसोस–जनक घटना है। क्योंकि स्पीकर किसी दल के नहीं होते, सदन के होते हैं। लोकसभा में स्पीकर के खिलाफ विपक्ष की तरफ से लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि स्पीकर के नियुक्ति के वक्त सदन के दोनों नेता साथ मौजूद थे। सदन के दोनों नेताओं ने अध्यक्ष को कुर्सी पर बैठाने का काम किया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि विपक्ष ने स्पीकर के पद पर सवाल उठाए, मैं कहना चाहता हूं कि सदन आपसी विश्वास के साथ चलता है। राज्यसभा में ग्रामीण विकास मंत्रालय के कामकाज पर सदस्यों की चर्चा जारी है। मंत्रालय के लिए 2026–27 के लिए प्रस्तावित आवंटन – ग्रामीण रोजगार, आवास और कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए 2.73 लाख करोड़ रुपये है। जबकि पंचायतों को सशक्त बनाने के लिए 4.35 लाख करोड़ रुपये का अनुदान (2026–31) है, इस उद्देश्य महिला नेतृत्व वाली शासन व्यवस्था को मजबूत करना है। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारत की विदेश नीति और नेतृत्व को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि मौजूदा हालात ऐसे दिखाई दे रहे हैं मानो भारत की नीतियां अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव में तय हो रही हों। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रंप की ओर से आने वाले हर फैसले या निर्देश को भारत की सरकार बिना किसी ठोस विरोध के स्वीकार करती दिख रही है।

केजरीवाल के अनुसार इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के नेतृत्व की छवि कमजोर पड़ती नजर आ रही है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी चर्चाएं सामने आ रही हैं कि भारत के प्रधानमंत्री को कमजोर बताया जा रहा है और उन्हें दबाव में रखने या ब्लैकमेल करने जैसी बातें भी कही जा रही हैं।

उनका दावा है कि अमेरिका के कुछ अधिकारी भी इस स्थिति को लेकर भारत के नेतृत्व पर टिप्पणी कर रहे हैं। केजरीवाल ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर ऐसी कौन–सी परिस्थिति है जिसके कारण प्रधानमंत्री मोदी बार–बार ट्रंप के सामने झुकते हुए दिखाई देते हैं।

शहर समता विचार मंच द्वारा ऑनलाइन काव्य गोष्ठी अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में सफलतापूर्वक सम्पन्न

प्रयागराज। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित गूगल मीट द्वारा काव्य गोष्ठी रचना सक्सेना की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में उमेश श्रीवास्तव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति अर्चना झा अन्नु । काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

इस काव्य गोष्ठी में अफ़रोज़अजीज,अनीता दुबे, श्रद्धा श्रीवास्तव, छाया सक्सेना प्रभु साधना खरे डा.शोभा त्रिपाठी,सरिता कपूर,रेणुका पटेल, साधना खरे, अनुराधा गर्ग सुनीता मिश्रा, मंजू लता नागेश, मनोरमा श्रीवास्तव। रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन उमा मिश्रा प्रीति ने किया।

शहरी क्षेत्र के 20 वर्ष से पुराने मकानों को गृहकर में मिलेगी 40 फीसदी की छूट

प्रयागराज। नगर निगम अधिनियम के तहत अब शहरीय क्षेत्र में आने वाले 20 वर्ष से पुराने भवन स्वामियों को हाउस टैक्स में 40 फीसदी छूट स्वतरू ही मिलेगी। इसके लिए उन्हें किसी प्रकार का आवेदन या आग्रह नहीं करना होगा।

नगर निगम अधिनियम के तहत अब शहरीय क्षेत्र में आने वाले 20 वर्ष से पुराने भवन स्वामियों को हाउस टैक्स में 40 फीसदी छूट स्वतरू ही मिलेगी। इसके लिए उन्हें किसी प्रकार का आवेदन या आग्रह नहीं करना होगा। मंगलवार को नगर निगम के पुनरीक्षित बजट 2025–26 के तहत सदन की बैठक में इस प्रस्ताव को सर्व सम्मति से लागू किया गया। सबसे अधिक इसका लाभ पुराने शहर के लोगों को मिलेगा। इसमें मुख्य रूप से कीडगंज, दारागंज, रामबाग, बैहराना, चौक, शाहगंज, करेली, मालवीय नगर, मुंडेरा और चकिया सहित अन्य शहरी क्षेत्र शामिल हैं। यह व्यवस्था अप्रैल–2026 से लागू की जाएगी।

वार्ड–13 के पार्षद आकाश सोनकर के प्रस्ताव पर महापौर ने इस व्यवस्था पर संकल्प पारित कराया। इसके अलावा उन्होंने शासन से बड़े बकायेदारों के एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) लागू करने की मांग की। इसमें व्यावसायिक और निजी भवन स्वामी शामिल हैं। इसके लिए तीन दिनों में सदन की तरफ से शासन को प्रस्ताव भेजा जाएगा। शासन से मंजूरी मिलने पर ब्याज में छूट के साथ हाउस टैक्स जमा करने की सुविधा बड़े बकायेदारों को मिलेगी।

अंतिम मूल्यांकन से पहले परेशान नहीं कर सकता है बिजली विभाग, आपत्ति दाखिल करना उपभोक्ता का अधिकार

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिल के अंतिम मूल्यांकन और आपत्तियों के निस्तारण से पहले बिजली विभाग उपभोक्ताओं को परेशान नहीं कर सकता। आपत्तियां दाखिल करना उपभोक्ता का कानूनी अधिकार है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि बिल के अंतिम मूल्यांकन और आपत्तियों के निस्तारण से पहले बिजली विभाग उपभोक्ताओं को परेशान नहीं कर सकता। आपत्तियां दाखिल करना उपभोक्ता का कानूनी अधिकार है। इस टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति अजित कुमार और न्यायमूर्ति स्वरूपमा चतुर्वेदी की खंडपीठ ने प्रयागराज निवासी देवकी नंदन त्रिपाठी की याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने याची को वसूली नोटिस के खिलाफ आपत्ति दाखिल करने के लिए तीन हफ्ते की मोहलत दी है। साथ ही उनके खिलाफ किसी भी तरह की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई पर रोक लगा दी है।याची ने बिजली विभाग की ओर से जारी उस नोटिस को चुनौती दी थी, जिसमें उनसे 44,32,810 रुपये के बकाये और 44,000 रुपये के चक्रवृद्धि ब्याज की वसूली की मांग की गई थी। याची के अधिवक्ता ने तर्क दिया कि विभाग की ओर से निर्धारित राशि में प्रक्रियात्मक खामियां हैं। विभाग ने अंतिम मूल्यांकन किए बगैर वसूली नोटिस जारी किया है।

इस पर याची को आपत्ति दाखिल करने का भी अवसर नहीं दिया है। वहीं, पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के पैनल अधिवक्ता ने दलील दी कि 21 फरवरी 2026 को प्रारंभिक मूल्यांकन नोटिस जारी किया गया था। कोर्ट ने पाया कि यूपी सप्लाई कोड, 2005 के तहत याची को आपत्ति दर्ज कराने कानूनी अधिकार है। आपत्तियों का निस्तारण किए बगैर वसूली समेत अन्य किसी भी तरह की उत्पीड़नात्मक कार्रवाई नहीं की जा सकती।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में कौशाम्बी के एसपी को विवेचना की प्रगति से संबंधित हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। 23 मार्च को मामले की सुनवाई होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने शिवपाल यादव उर्फ सिप्पल की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। पिता ने आरोप लगाया है कि 20 वर्षीय बेटे अजय उर्फ नाटू का शव 26 अगस्त 2024 को तालाब में मिला था। मामले में आरोपी पप्पू पासी और लक्ष्मण पासी समेत अन्य लोगों के खिलाफ कौशाम्बी के पिपरी थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने अब तक केवल दो आरोपियों लक्ष्मण पासी और पप्पू पासी को 18 नवंबर 2024 को गिरफ्तार किया। उनके खिलाफ आठ जनवरी 2025 को आरोपपत्र दाखिल किया। अन्य आरोपियों को न तो गिरफ्तार किया गया और न ही उनके खिलाफ कोई पुलिस रिपोर्ट दाखिल की गई। याची की ओर से अधिवक्ता ने एफआईआर की निष्पक्ष विवेचना कराने का आदेश देने की मांग की। जिस पर कोर्ट ने कौशाम्बी के एसपी को विवेचना की प्रगति के संबंध में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मंगलवार को वाराणसी स्थित ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने की वैज्ञानिक सर्वे की मांग को लेकर राखी सिंह की ओर से दायर पुनरीक्षण अर्जी पर सुनवाई की। प्रतिवादियों के अधिवक्ता सैयद अहमद फैजान ने कोर्ट को बताया कि सर्वोच्च न्यायालय में ज्ञानवापी प्रकरण से जुड़े मामले की सुनवाई 13 मार्च को होनी है। इस पर कोर्ट ने सुनवाई स्थगित कर दी। न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने अगली तिथि 15 अप्रैल नियत की। हाईकोर्ट ने इसी याचिका के साथ ही प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर और अन्य की याचिका भी संबद्ध कर ली है। दोनों की सुनवाई एक साथ होगी।

हाईकोर्ट ने गलत रिमांड आदेश पर मजिस्ट्रेट से किया जवाब तलब, विवेचक पर भी कार्यवाही का निर्देश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलत तरीके से रिमांड आदेश पारित करने के मामले को गंभीरता से लिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने मोहम्मद हारून की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए तत्काल रिहाई का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गलत तरीके से रिमांड आदेश पारित करने के मामले को गंभीरता से लिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति जय कृष्ण उपाध्याय की खंडपीठ ने मोहम्मद हारून की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए तत्काल रिहाई का आदेश दिया है।

साथ ही संबंधित रिमांड मजिस्ट्रेट से स्पष्टीकरण मांगते हुए विवेचनाधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया है। पीलीभीत के जहानाबाद थाना क्षेत्र के मोहम्मद हारून और अन्य ने गिरफ्तारी के खिलाफ बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की। अधिवक्ता ने दलील दी कि उमंग रस्तोगी मामले के उच्च न्यायालय के पूर्व निर्णय और उत्तर प्रदेश पुलिस महानिदेशक की ओर से जारी सर्कुलर के अनुसार अरेस्ट मेमो में याची की गिरफ्तारी के आधारों का उल्लेख नहीं किया गया है। ऐसे में अरेस्ट मेमो और रिमांड ऑर्डर को निरस्त किया जाना चाहिए। कोर्ट ने अरेस्ट मेमो और रिमांड आदेश को रद्द कर पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया है कि विवेचनाधिकारी के खिलाफ तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही शुरू करें। अगली सुनवाई तक इस संबंध में अनुपालन शपथ पत्र दाखिल किया जाए।

एलपीजी सिलिंडर की बुकिंग भी मुश्किल, एजेंसियों के चक्कर काट रहे उपभोक्ता

प्रयागराज। प्रयागराज में रसोई गैस सिलिंडर की किल्लत हो गई है। ईरान में छिड़े युद्ध के कारण गैस के दाम में वृद्धि हो गई है। इसके कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। कॉमर्शियल सिलिंडर न मिलने कारण होटल और रेस्टूरेंट के कारोबार पर संकट आ गया है। ऑनलाइन बुकिंग भी नहीं हो पा रही है।

पश्चिम एशिया में छिड़े युद्ध का असर अब घरों के चूल्हे तक पहुंच चुका है। एलपीजी सिलिंडर का दाम बढ़ने के बाद बुकिंग में भी समस्या आ रही है। लोगों को सिलिंडर के ऑनलाइन बुकिंग में दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, गैस एजेंसियों कार्यालय से सर्वर न चलने की समस्या बताई जा रही है।

जिन लोगों ने एलपीजी सिलिंडर के दाम बढ़ने वाली तारीख यानी सात मार्च से एक या दो दिन पहले बुकिंग करवा ली थी, उन्हें बढ़े हुए दाम का संशोधित बिल तो मोबाइल पर मिल गया, लेकिन सिलिंडर की डिलीवरी आसानी से नहीं हो पा रही है। वो भी एजेंसियों के चक्कर काटने को मजबूर हैं। जिन घरों में शादियां या अन्य कार्यक्रम हैं उनके परिजन, रेस्टोरेंट व होटल संचालक सिलिंडर के लिए परेशान हैं।

वहीं, गैस एजेंसी संचालकों के मुताबिक प्लांट से ही सिलिंडर की कम सप्लाई हो रही है। नए नियमों के मुताबिक, घरेलू उपभोक्ताओं को सिलिंडर की सप्लाई में प्राथमिकता दिए जाने के निर्देश दिए गए हैं। जबकि व्यावसायिक सिलिंडर बहुत कम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। नए नियम के तहत 25 दिन बाद ही दूसरा सिलेंडर उपलब्ध हो सकेगा।

सिविल लाइंस में मेरा रेस्टोरेंट है। मंगलवार तक तो काम चल गया, लेकिन अब कॉमर्शियल सिलिंडर नहीं उपलब्ध हो रहा है। गैस एजेंसी की ओर से दो दिन बाद सिलिंडर दिए जाने की बात कही जा रही है। – आरके सिंह, रेस्टोरेंट संचालक

एलपीजी सिलिंडर की ऑनलाइन बुकिंग नहीं हो पा रही है। गैस एजेंसी के कार्यालय में आकर पूछने पर सर्वर की दिक्कत बता रहे हैं। यदि एलपीजी सिलिंडर नहीं मिला तो कैसे काम चलेगा। – देवेंद्र आर्य, स्थानीय निवासी

एलपीजी सिलिंडर बुक किया तो डीएसी (डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड) ही नहीं आया। इसके बिना सिलिंडर नहीं मिल सकेगा। गैस एजेंसी के कार्यालय में आकर पूछने पर सर्वर की दिक्कत बता रहे हैं। –सरताज अहमद, स्थानीय निवासी

पिछले कुछ दिनों के दौरान एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई कम हुई है। कॉमर्शियल सिलिंडर प्लांट से एजेंसी तक नहीं पहुंच रहे, लेकिन नए नियमों के तहत घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। कई शहरों के मुकाबले जिले में एलपीजी सिलिंडर को लेकर स्थिति नियंत्रण में है। जो दिक्कत आ रही हैं, शीघ्र उसमें सुधार हो जाएगा। – कविता यादव त्रिपाठी, गैस एजेंसी संचालिका

यह वित्तीय वर्ष का अंतिम महीना और इस समय एलपीजी सिलिंडर की सप्लाई में नए नियम लागू किए गए हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को एलपीजी गैस सिलेंडर की सप्लाई आवश्यकता के मुताबिक की जा रही है। – मोहित मिश्रा, मंडल महामंत्री, ऑल इंडिया एलपीजी डिस्ट्रीब्यूशन फेडरेशन

एलपीजी गैस की किल्लत बढ़ती जा रही है। विवाह घर और होटल आदि में कॉमर्शियल गैस सिलिंडर का ही उपयोग होता है। सरकार को इस दिशा में प्रभावी कदम उठाना चाहिए ताकि जिनके यहां शादी है, उन लोगों को परेशानी ना हो। – महेंद्र गोयल, प्रदेश अध्यक्ष, कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स

एलपीजी सिलिंडर का दाम बढ़ने और 25 दिनों बाद ही दूसरा एलपीजी सिलिंडर मिलने के तहत सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है। पश्चिम एशिया में युद्ध से एलपीजी गैस की सप्लाई पर फर्क पड़ रहा है। वहीं, होली के त्योहार के दौरान छुट्टियों की वजह से भी सप्लाई पर फर्क पड़ा है। मौजूदा हालात में घरेलू उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कुछ बदलाव जरूरी है। – राजन रंजन, एलपीजी हेड, इंडियन ऑयल

प्रयागराज से 11 जिलों की सप्लाई पर पड़ सकता है असर

झूंसी के त्रिवेणीपुरम स्थित गैस प्लांट से प्रयागराज समेत 11 जिलों में गैस सिलिंडर की आपूर्ति होती है। शहर व आसपास की 289 एजेंसियों में सिलिंडर की आपूर्ति यहीं से होती है। 100–110 ट्रकों से 35000 गैस सिलिंडर की रिफिलिंग कर प्रतापगढ़, मिर्जापुर, सोनभद्र, जौनपुर, भदोही, एमपी, चित्रकूट और प्रयागराज समेत 11 शहरों में सप्लाई की जाती है। झूंसी गैस प्लांट के मैनेजर राजेश जौहरी ने बताया कि पटना, दुर्गापुर, मुजफ्फरपुर और मथुरा से टैंकर रोजाना आता है। एक दिन में 32 से 40 टैंकर खाली किया जाता है। 280 टन एलपीजी प्लांट के स्टोरेज टैंक में डाला जाता है। अभी तक एलपीजी को लेकर किसी तरह की समस्या नहीं है। हालांकि, जंग लंबी खिंची तो आने वाले दिनों में दिक्कत हो सकती है।

सिलिंडर की जमाखोरी रोकने के लिए तीन टीम गठित

पश्चिम एशिया के हालात के मद्देनजर पेट्रोल–डीजल व एलपीजी सिलिंडर की सुलभ उपलब्धता बनाए रखने के लिए आपूर्ति विभाग ने तीन टीम गठित की हैं। ये टीम जमाखोरी आदि पर निगरानी रखेंगी और शिकायत पर कार्रवाई करेंगी। जिला पूर्ति अधिकारी ने टीम को निर्देश दिए हैं कि होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, गैस एजेंसियों के गोदामों आदि में छापा व जांच कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। टीम में क्षेत्रीय खाद्य अधिकारी, पूर्ति निरीक्षकों, पेट्रोलियम कंपनी के एरिया सेल्स मैनेजर, बाटमाप निरीक्षक को शामिल किया गया है। दो में सात–सात व एक टीम में आठ सदस्य हैं।

रसोई गैस सिलिंडर की कालाबाजारी भी शुरू हो गई है। ऑनलाइन बुकिंग में तकनीकी गड़बड़ी के कारण उपभोक्ताओं को महंगे दामों पर सिलिंडर खरीदने पड़ रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी की अध्यक्षता में आईओसीएल, बीपीसीएल व एचपीसीएल (एलपीजी) विपणन/आपूर्ति शाखा के सभी क्षेत्रीय बिक्री अधिकारियों के साथ बैठक की गई।

बिक्री अधिकारियों ने दावा किया कि प्रयागराज के समस्त एलपीजी उपभोक्ताओं को घरेलू गैस सिलिंडर की आपूर्ति शत–प्रतिशत की जा रही है। पेट्रोलियम कंपनियों के पास आमजन को कनेक्शनों के सापेक्ष एलपीजी सिलिंडर आपूर्ति के लिए पर्याप्त भंडारण है।

उपभोक्ताओं से अपील, स्मार्ट बुकिंग मोड एप से करें बुकिंग

आपूर्ति विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे संबंधित अधिकृत एलपीजी वितरक से मोबाइल के द्वारा या स्मार्ट बुकिंग मोड एप के माध्यम से गैस रिफिल बुक कराकर नियमानुसार सिलिंडर प्राप्त करें। अग्रिम एलपीजी रिफिल बुकिंग 25 दिनों बाद ही करें। एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर/ गैस कंपनी के अधिकृत वेंडर/ हॉकर के माध्यम से ही गैस सिलिंडर रिफिल प्राप्त करें।

झूंसी में लगी भीषण आग, पांच दुकानें जलकर राख, मची अफरातफरी

प्रयागराज। झूंसी थाना क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी योजना संख्या तीन में मंगलवार देर रात बिजली उपकेंद्र के सामने स्थित पांच दुकानों में भीषण आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई।

झूंसी थाना क्षेत्र के आवास विकास कॉलोनी योजना संख्या तीन में मंगलवार देर रात बिजली उपकेंद्र के सामने स्थित पांच दुकानों में भीषण आग लग गई। इससे अफरातफरी मच गई। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि लोग पास जाने से भी डर रहे थे। इसी दौरान नाश्ते की दुकान में रखा सिलिंडर भी ब्लास्ट कर गया। करीब आधे घंटे के बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची और आग की लपटों पर काबू पाने में जुट गई। मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। घटना के कारण कॉलोनी के आधे से ज्यादा हिस्से में बिजली आपूर्ति देर रात तक गुल रही। आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका था।

झूंसी की आवास विकास कॉलोनी योजना संख्या तीन में बिजली उपकेंद्र के ठीक सामने झोपड़ी में महेंद्र ने फल की दुकान और उसके पास गुमटी में घड़ी की दुकान है। इसके पास ही मलावा गांव के गुड्डू यादव ने चाय–नाश्ते की दुकान और संतोष ने बाटी–चोखा की दुकान खोल रखी है। मंगलवार की देर शाम सभी दुकान बंदकर अपने घर चले गए।

इसी बीच देर रात करीब 12रू15 बजे अचानक इन दुकानों में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटों ने भयानक रूप धारण कर लिया और करीब पांच दुकान लपटों की चपेट में आ गईं। इसी दौरान गुड्डू यादव के नाश्ते की दुकान के भीतर रखा गैस सिलिंडर भी धमाके के साथ ब्लास्ट कर गया, जिससे लोगों में भी खलबली मच गई। आशंका है कि बिजली के शॉर्ट सर्किट से इन दुकानों में आग लगी होगी।

सूचना पर दमकल की गाड़ी करीब आधे घंटे बाद मौके पर पहुंची और आग की लपटों को बुझाने में जुट गई। इसी बची झूंसी पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। हालांकि वहां मौजूद लोगों का कहना था कि आग बिजली के शॉर्ट सर्किट से नहीं बल्कि किसी ने दुश्मनी के चलते जानबूझकर लगाई है। झूंसी पुलिस का कहना है कि घटना की जांच की जाएगी।तकरीबन दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी।

पीसीएस इंटरव्यू में पूछा सवाल- काशी–अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी है, इस पर आपकी क्या राय है

प्रयागराज। भावी पीसीएस अफसर समाज के प्रति क्या सोचते हैं, विपरीत परिस्थितियों में उनमें निर्णय लेने की क्षमता है या नहीं, गंभीर मुद्दों के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है और विषय के प्रति उनको कितनी जानकारी है।

भावी पीसीएस अफसर समाज के प्रति क्या सोचते हैं, विपरीत परिस्थितियों में उनमें निर्णय लेने की क्षमता है या नहीं, गंभीर मुद्दों के प्रति उनका दृष्टिकोण क्या है और विषय के प्रति उनको कितनी जानकारी है, इन तमाम बिंदुओं पर अभ्यर्थियों की योग्यता को परखने के लिए मंगलवार को लोक सेवा आयोग में चल रहे पीसीएस–2024 के साक्षात्कार में सवाल पूछे गए।

एक अभ्यर्थी से पूछा गया कि काशी–अयोध्या के बाद अब मथुरा की बारी है, इस कथन पर आपकी क्या राय है। सोनम वांगचुक को जेल में किस लिए डाला गया, क्या वह सच में अपराधी हैं। परिस्थिति आधारित एक सवाल था कि यदि आप वर्तमान में एसडीएम हों और अंतरजातीय विवाह के कारण विवाद हो जाए तो उसे कैसे संभालेंगे। वहीं, पूछा गया कि एसडीएम और डीएम में क्या अंतर है। अगर आपको डिप्टी

एसपी बना दिया जाए तो आपका पहला कार्य क्या होगा।

एक अभ्यर्थी से पूछा गया कि यदि किसी क्षेत्र में कुछ किसानों की उपज कम और कुछ की अधिक हो तो कम उपज वाले किसानों की आय कैसे बढ़ाएंगे। अगर आप एसडीएम बन जाएं तो क्षेत्र का विकास कैसे करेंगे। यदि मेरिट वाला और नॉन–मेरिट वाला उम्मीदवार आपके सामने हो और नॉन–मेरिट वाले की सिफारिश के लिए विधायक आ जाएं तो आप क्या करेंगे।

विज्ञान वर्ग से पीजी करने वाले एक अभ्यर्थी से पूछा गया कि पाइथागोरस प्रमेय क्या है और इसका दैनिक जीवन में क्या उपयोग है। प्रिज्म क्या होता है और इसके कितने प्रकार होते हैं। फ्रीक्वेंसी और वेवलेंथ में क्या अंतर है। कार्बन डाइऑक्साइड और कार्बन मोनोऑक्साइड में से कौन ज्यादा खतरनाक है और क्यों। इंद्रधनुष कैसे बनता है। केमिस्ट्री का मतलब क्या है। दो लोगों के बीच केमिस्ट्री होना किस अर्थ में कहा जाता है।

ये सवाल भी पूछे गए

– गांव के विकास के लिए सबसे ज्यादा जरूरी चीजें क्या हैं।

– ग्राम सभा के प्रधान अपने पद के अलावा कौन–कौन सी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

– सीबीएसई में आप क्या सुधार करना चाहेंगे।

– डमी स्कूल को कैसे खत्म करेंगे।

– मिशन शक्ति, लाडली बहन और ड्रोन दीदी योजनाएं क्या हैं।

– प्रारूप समिति के अध्यक्ष कौन थे।

– हिमालय की चौड़ाई कितनी है और उसका केंद्र किसे कहा जाता है।

– प्रयागराज में कौन–कौन सी नदियां बहती हैं।

– महिलाओं की समानता की बात होती है, क्या पुरुषों की समानता की भी बात होनी चाहिए।

शिक्षामित्रों के नियमितीकरण मामले में दो महीने के अंदर फैसला लें अपर मुख्य सचिव

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षामित्रों के नियमितीकरण व सहायक अध्यापक के समान वेतन वाली याचिका पर निर्देश जारी किया है। कहा है कि याची अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा (उत्तर प्रदेश) के समक्ष तीन सप्ताह में नया प्रत्यावेदन दें और इस पर दो महीने के भीतर कानून के अनुसार फैसला लिया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान की एकल पीठ ने वाराणसी में कार्यरत तेज बहादुर मौर्य और 114 अन्य शिक्षामित्रों की याचिका पर दिया है। मांग है कि बोर्ड ऑफ बेसिक एजुकेशन की ओर से संचालित स्कूलों में स्थायी पद सृजित कर उन्हें नियमित किया जाए। समान कार्य के लिए समान वेतन के सिद्धांत पर सहायक अध्यापकों के बराबर मानदेय भी दिया जाए। याची के अधिवक्ता सत्येंद्र चंद्र त्रिपाठी ने दलील कि जग्गो बनाम भारत संघ (2024), श्रीपाल बनाम नगर निगम गाजियाबाद (2025) व अन्य मामलों में सुप्रीम कोर्ट की ओर से दी गई व्यवस्थाओं के साथ शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार की ओर से जून 2025 में जारी निर्देशों के आलोक में शिक्षामित्र नियमितीकरण के हकदार हैं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राज ब्रिक वर्क्स चिरावड़, मैनपुरी की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। संबंधित अधिकारियों को लंबित आवेदन पर जल्द निर्णय लेने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति महेश चंद्र त्रिपाठी और न्यायमूर्ति कुणाल रवि सिंह की खंडपीठ ने दिया है। याचिकाकर्ता ने ईंट–भट्ठे के संचालन के संबंध में दंडात्मक कार्रवाई से रोक और उप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के समक्ष 11 फरवरी 2026 को दिए गए आवेदन पर प्रदूषण प्रमाण पत्र जारी करने की मांग की थी। याची के अधिवक्ता सुनील श्रीवास्तव ने दलील दी कि विभाग के मानकों के अनुरूप होने के बावजूद आवेदन लंबित है। कोर्ट ने मामले की परिस्थितियों को देखते हुए और गुण–दोष पर कोई टिप्पणी किए बिना याचिका निस्तारित कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी 50 हजार के इनामी दरोगा अमित मौर्या की याचिका खारिज कर दी। यह आदेश न्यायमूर्ति अजय भनोट, न्यायमूर्ति अवनीश सक्सेना की खंडपीठ ने याची की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अनिल मेहरोत्रा, शिकायतकर्ता के अधिवक्ता त्रिपुरारी पाल और राज्य सरकार के अधिवक्ता को सुनकर दिया है।

दरोगा ने एफआईआर को चुनौती देते हुए गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग के साथ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। कुछ समय चली बहस के बाद याची के अधिवक्ता ने याचिका वापस ले ली। इसी आधार पर कोर्ट ने याचिका खारिज कर दी।

अभियोजन के मुताबिक कानपुर नगर में पांच जनवरी की रात सचेंडी के एक गांव में 14 वर्षीय किशोरी से सामूहिक दुष्कर्म की घटना हुई थी। मामले में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। मामला तूल पकड़ने के बाद तत्कालीन चौकी प्रभारी, इंस्पेक्टर और एसीपी पनकी कार्रवाई की जद में आए, जबकि डीसीपी पश्चिम को हटाकर दूसरी जगह तैनाती दी गई। इसके बाद एक आरोपी यूट्यूबर शिवबरन जेल भेजा गया था, जबकि दूसरा आरोपी दरोगा अमित मौर्या फरार चल रहा है। गिरफ्तारी से बचने के लिए निलंबित दरोगा हाईकोर्ट पहुंचा था।

कोठी मीना बाजार मैदान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की अनुमति को वैकल्पिक उपाय अपनाएं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के कोठी मीना बाजार मैदान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की अनुमति को लेकर वैकल्पिक उपाय अपनाने की छूट दी। कहा कि जिस भूमि को लेकर विवाद लंबित है, उससे जुड़ी अनुमति का निर्णय उस पीठ की ओर से करना उचित होगा। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के कोठी मीना बाजार मैदान पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की अनुमति को लेकर वैकल्पिक उपाय अपनाने की छूट दी। कहा कि जिस भूमि को लेकर विवाद लंबित है, उससे जुड़ी अनुमति का निर्णय उस पीठ की ओर से करना उचित होगा। कोर्ट ने याची को याचिका वापस लेकर संबंधित प्रथम अपील की सुनवाई कर रही पीठ के समक्ष आवेदन दाखिल करने की स्वतंत्रता दी।

ब्लॉक लक्ष्मणपुर से बच्चों ने किया एक्सपोज़र विजिट

प्रतापगढ़। खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री सुरेश कुमार द्वारा लक्ष्मणपुर ब्लॉक से एक्सपोजर विजिट प्रभारी बनाये गए विश्वदीप सिंह द्वारा

विजिट हेतु नामित बच्चों को प्रयागराज में आनन्द भवन,चन्द्र शेखर आजाद पार्क,इलाहाबाद संग्रहालय आदि जगहों पर भ्रमण करवाया गया।सुबह ब्लॉक अध्यक्ष निर्भय प्रताप सिंह द्वारा हरी झण्डी दिखा के दोनों बसों को रवाना किया गया।यात्रा के पूर्व सभी बच्चों को टीशर्ट,टोपी, कॉपी,पेन,बैग, चिप्स,बिस्किट,पानी की बोतल आदि वस्तुएं दे दी गयी ताकि बच्चें आराम से यात्रा का आनंद ले सकें। यात्रा के सकुशल क्रियान्वयन हेतु अपना सहयोग देने वालों में आलोक गुप्ता,विश्वदीप सिंह, आकांक्षा सिंह, शरद त्रिपाठी, ममता, मानस मुकुल, सुमन, दिलीप, संदीप, आशुतोष, जय प्रकाश, कृष्ण कुमार,नेहा, निधि,जान्हवी, अभिनव, उज्ज्वल, आदविक सिंह उर्फ ओम आदि लोगों ने अपना योगदान दिया।

शहर समता विचार मंच द्वारा जबलपुर इकाई की ऑफलाइन काव्य गोष्ठी महिला अंतर्राष्ट्रीय दिवस एवं होली मिलन समारोह सफलतापूर्वक सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार के तत्वावधान में आयोजित काव्य गोष्ठी होली मिलन समारोह छाया त्रिवेदी की अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी में मुख्य अतिथि शशि कला सेन विशिष्ट अतिथि कृष्णा राजपूत,

आरती शर्मा उपस्थित रही। काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती माँ की प्रतिमा पर माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना एवं वंदे मातरम् की सुंदर प्रस्तुति सभी उपस्थित बहनों ने मिलकर किया।

काव्य गोष्ठी का संयोजन एवं संचालन उमा मिश्रा प्रीति ने किया। अतिथियों का स्वागत भारती शर्मा ने किया काव्य गोष्ठी में शिरकत करने वाली रचनाकार बहनें आशा श्रीवास्तव राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन, रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे रचनाकार बहनों ने सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु ने किया।

बड़े स्क्रीन पर टी-20 वर्ल्ड कप दिखाया श्री सिद्धिविनायक फाउंडेशन ने

अरविन्द पाण्डेय-प्रयागराज। श्री सिद्धिविनायक फाउंडेशन (रजि.) एवं मोहित श्रीवास्तव अवर अभियंता की ओर से बादशाही मण्डी के चमेली देवी धर्मशाला चौराहे पर टीम इंडिया का टी-20 फ़ाइनल मैच एल. ई. डी. स्क्रीन टीवी के माध्यम से दिखाया गया जिसमें सैकड़ों लोग शामिल हुए सभी लोगों में उत्साह और टीम इंडिया की जीत का जश्न देखने को मिला जहां एक तरफ कितने क्रिकेट प्रेमी अहमदाबाद के नरेन्द्र मोदी स्टेडियम में टिकट बुक करके मैच का आनन्द लेने गए वही प्रयागराज में हर

चौराहे, गली एवं घरों में टीम इंडिया के जीत जश्न मना रहे थे वही प्रयागराज में श्री सिद्धिविनायक फाउंडेशन ने मिसाल कायम किया इंडिया की जबर्दस्त जीत के बाद डीजे पटाखे,मिठाई,अबीर एवं तिरंगा के साथ धूम मचा के रख दी लोगों में खुशी का माहौल बना रहा मोहित श्रीवास्तव (लाला) अवर अभियंता ने भी टीम इंडिया के जीत पर शुभकामना देते हुए अपने साथियों के साथ जबर्दस्त डांस किया श्री सिद्धिविनायक फाउंडेशन के अध्यक्ष रत्नेश यादव ने कहा ये हम सभी के लिए गर्व का विषय है कि टीम इंडिया लगातार ऊंचाइयों के शिखर पर जा रहा है जिससे विश्व में हर खिलाड़ी इतिहास रचने में कायम है इस अवसर पर अजय शुक्ला वरिष्ठ अधिवक्ता, आशीष यादव,रत्नेश यादव, मोहित श्रीवास्तव अवर अभियंता पवन मिश्रा अधिवक्ता, भानु प्रकाश रवि गुप्ता वीरेन्द्र इलैक्ट्रिक नीरज पुंडीर, विकाश द्विवेदी अनूप मिश्रा, अरविन्द पाण्डेय पत्रकार, सक्षम गुप्ता, अंकित यादव राम बाबू मिश्रा प्रबंधक चमेली देवी धर्मशाला, सूरज गौड़, रानू पाठक, संजय कुशवाहा, नीरज कुशवाहा, आशीष पाण्डेय,अमित केशरवानी, अजीत यादव, सानू यादव,राजीव पटेल, रजत केसरवानी, विवेक यादव सहित बादशाहीं मण्डी, मोहत्शिमगंज, चक जीरो रोड से सैकड़ों लोग इस खुशी में शामिल हुए।

राजधानी में गैस सिलेंडर के लिए सुबह से लंबी लाइनें

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ में गैस सिलेंडर की किल्लत बढ़ गई है। आम लोगों से लेकर होटल, ढाबा और कैटरिंग कारोबारियों तक सभी मुश्किल में हैं। गैस एजेंसियों पर सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी लाइनें लगी हुई हैं। कई लोगों का कहना है कि एक सप्ताह पहले बुकिंग कराने के बावजूद सिलेंडर नहीं मिल रहा है। कमर्शियल सिलेंडर की सप्लाई प्रभावित होने से कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। लोगों का आरोप है कि सिलेंडर 3500 रुपए तक में ब्लैक में बेचे जा रहे हैं। वहीं कमर्शियल सिलेंडर न मिलने के कारण लोग वैकल्पिक इंतजाम करने को मजबूर हैं। कुछ शादी समारोहों में गैस की जगह लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है।

सीएमपी डिग्री में सात दिवसीय विशेष शिविर का दूसरा दिन

प्रयागराज। आज सीएमपी डिग्री कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 26,27,28,29,30,31,32 एवं 71 की सात दिवसीय विशेष शिविर के दूसरे दिन का शुभारम्भ कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे के निर्देशन में सम्पन्न हुआ जिसमें योगाचार्य डॉ० आकाश जायसवाल के मार्गदर्शन में योग शिविर का आयोजन किया गया। इस योगाभ्यास में सभी स्वयंसेवको व सेविकाओं ने प्रतिभाग किया योगाचार्य डॉ० जायसवाल ने योग के विविध गतिविधियों को सम्पन्न कराया, साथ ही शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग की उपयोगिता के बारे में जागरूक किया।

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में राजनीतिक विज्ञान विभाग की वरिष्ठ सहायक आचार्य डॉ० अनुराधा सिंह ने स्वयंसेवकों को एनएसएस के बारे में बताया और उससे जुड़ी गतिविधियों पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। स्वयं सेवकों की क्या सामुदायिक भूमिका हो सकती है, इसको उन्होंने रेखांकित किया। इसी सत्र में समाजशास्त्र के सहायक आचार्य डॉ० मनीष कुमार सिंह ने भी छात्रों को राष्ट्र निर्माण में

अपनी भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अगले चरण में केनरा बैंक की वरिष्ठ शाखा प्रबंधक स्नेहा रौनियार ने बैंकिंग प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की। केनरा बैंक के ही वरिष्ठ अधिकारी सुमित तिवारी ने बैंकिंग फ्राड एवं बैंकिंग से जुड़े हुए साइबर अपराधों के बारे में विस्तार से स्वयंसेवकों को जानकारी दी एवं स्वयंसेवकों के बैंकिंग से जुड़े शंकाओं का उन्होंने निराकरण किया।

एक अन्य बैंक अधिकारी विवेक केसरी ने डिजिटल फ्राड और डिजिटल अरेस्ट से कैसे बचा जा सकता है, इसकी जानकारी दी। इसी सत्र में रसायन विज्ञान के प्रो० संतोष श्रीवास्तव ने भी बच्चों का संबोधन कर उनका उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम के तीसरे सत्र में स्वयं सेवकों ने विविध प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों को प्रस्तुत किया। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार संस्था के द्वारा छात्रों को शताब्दी समारोह विशेषांक वितरित किया गया। इस विशेष शिविर में कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार यादव, डॉ० राम चिरंजीव, डॉ० यशवंत कुमार, डॉ० प्रमोद कुमार शर्मा, डॉ० पूर्णेन्दु मिश्र, डॉ० सपना मौर्या, डॉ० पूजा गौड़ एवं डॉ० चन्दन कुमार उपस्थित रहे। तथा कार्यक्रम का संचालन डॉ पूजा गौड़ ने किया, धन्यवाद ज्ञापन सीएमपी डिग्री कॉलेज के मुख्य कार्यक्रम अधिकारी डॉ० राजेश कुमार यादव ने किया। कार्यक्रम की रिपोर्टिंग कार्यक्रम अधिकारी डॉ० चन्दन कुमार ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्यगीत से हुआ तथा कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

ईश्वर शरण महाविद्यालय में सत्र 2025-26 के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ

प्रयागराज। आज दिनांक 10 मार्च 2026 को ईश्वर शरण महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना की इकाई संख्या 044, 045, 046, 047, 048, 049 एवं 050 के सात दिवसीय (10 से 16 मार्च 2026) विशेष शिविर का शुभारंभ हुआ जिसकी थीम 'युवा मेरे भारत के लिए, डिजिटल साक्षरता के लिए युवा' है। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय सेवा योजना के लक्ष्य गीत ष्उठे समाज के लिए उठेष तथा ष्हम होंगे कामयाबष् देश गीत व मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद उपरोक्त सभी यूनिट की स्वयंसेविकाओं तथा स्वयंसेवकों ने राजेंद्र छात्रावास परिसर के मैदान तथा वहां स्थित बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा की साफ सफाई की। स्वच्छता के इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया तथा एकत्रित कचरे का उचित स्थान पर निस्तारण किया। तत्पश्चात महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ अरविंद कुमार मिश्र ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। इसके बाद विभिन्न स्वयंसेवियों ने श्लोक,कविता पाठ, नृत्य, संवाद, शायरी, देशभक्ति गीत, नारी शसक्तीकरण पर गीत, भ्रष्टाचार पर प्रहार करने वाले गीत आदि प्रस्तुत किये जिसमें अस्मिता मदान ,विपिन यादव, निधि पांडे, मुस्कान, साक्षी, आदर्श मिश्रा,

राज सरोज, शौर्य यादव, अभय तिवारी, भूमि, अंशु मिश्रा, प्रथम यादव, अंकित पटेल, अंश यादव, सबरीन सिद्दीकी, नैतिक राज,आकांक्षा श्रीवास, अचल मौर्य आदि ने अपनी अपनी प्रतिभा प्रस्तुत की। दिन के द्वितीय सत्र में आज के विशिष्ट वक्ता डॉ राजेश कुमार गर्ग, समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सत्र 2025 - 26 के विशेष थीम श्युवा मेरे भारत के लिए - डिजिटल साक्षरता के लिए युवाश पर बोलते हुए कहा कि डिजिटल साक्षरता अभियान भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है जिसका लक्ष्य युवा, ग्रामीण जनता आदि को डिजिटली प्रशिक्षित करना है। आज के मुख्य अतिथि माननीय सुरेंद्र चौधरी, सदस्य, विधान परिषद, उत्तर प्रदेश ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना आपमें सेवा भाव पैदा करता है। यह योजना छात्रों को स्वयं से पहले समुदाय को प्राथमिकता देना सिखाता है जिससे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व में निखार, नेतृत्व कौशल, पर्यावरण संरक्षण, श्रमदान, रक्तदान जैसे लोक सेवा के भाव उत्पन्न होते हैं।कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर आनंद शंकर सिंह ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों से परिचित कराते हुए कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना युवा छात्र-छात्राओं को समाज सेवा के माध्यम से, विभिन्न गतिविधियों से अपने व्यक्तित्व को विकसित करने का मौका देता है जो समाज निर्माण व देश निर्माण में सहायक होती है। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ स्वयंसेविका स्वाति पलक व धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ रेफाक अहमद ने किया। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ कृष्णा सिंह, डॉ गायत्री सिंह, डॉ शैलेश यादव, डॉ आलोक मिश्रा, डॉ रुचि गुप्ता आदि की सक्रिय व महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से हुआ।

न्यू बंगाईगांव कारखाना द्वारा महिला दिवस पर रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन

बंगाईगांव। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस समारोह के उपलक्ष्य में न्यू बंगाईगांव कारखाना ने एक रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कारखाना की महिला रेल कर्मचारियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, कार्यक्रम काफी सफल रहा। महिलाओं ने अपने वक्तव्य, गीत, नृत्य और संचालन क्षमता से यह सिद्ध कर दिया कि वह भी किसी से कम नहीं है। यह कार्यक्रम पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र, न्यू बंगाईगांव के शानदार ऑडिटोरियम में आयोजित की गई। कार्यक्रम के मुख्य अधिकारी के रूप में मुख्य कारखाना प्रबंधक श्री किशन सिंह ने विधिवत रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरुआत की। उन्होंने अपने संक्षिप्त अभिभाषण के द्वारा महिला रेल कर्मचारियों को उनके सहयोग हेतु धन्यवाद दिया और उनके मनोबल को बढ़ाया। सहायक कार्मिक अधिकारी श्री अशोक कुमार सिन्हा ने आगंतुक अधिकारियों, सम्मानित महिलाओं, कलाकारों और दर्शकों का अपने वक्तव्य से स्वागत किया। पर्यवेक्षक प्रशिक्षण केन्द्र के प्राचार्य श्री देवाशीष पाठक इस विशेष मौके पर उपस्थित थे, जिन्होंने ऑडिटोरियम की सुंदर व्यवस्था कर

कार्यक्रम आयोजित करने में सहयोग दिया। अन्य अधिकारियों में एडीएन श्री डी. एन. सिंह भी शामिल थे। सभी अधिकारियों का स्वागत पारंपरिक गमछा पहना कर किया गया। नारी शक्ति ग्रुप द्वारा एक समूह गान प्रस्तुत कर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कारखाना कल्चरल इंटीग्रिटी ग्रुप ने भी एक समूह गीत प्रस्तुत किया । शताब्दी घोष, धानवी सिंघा और श्रीसाक्षी मोइत्रा ने एकल नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं सुकृती विश्वास ने एक कविता सुनाई। श्रीमती सुमिता भट्टाचार्जी ने एक कराओके गीत प्रस्तुत कर वाहवाही बटोरी। एक छोटी-सी बच्ची अंजली कुमारी ने योगासन के द्वारा दर्शकों को योग करने की सीख दी। स्थानीय पत्रकार श्रीमती तराली उपाध्याय ने अपने भाषण के द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने की सलाह दी। कार्यक्रम का सफल संचालन किया सुपर्णा डे ने। इस कार्यक्रम के आयोजन में कारखाना के कल्याण निरीक्षक श्री गणेश नार्जरी और श्री के. के. राव ने अपना अहम योगदान दिया।

विधायक राजेश्वर सिंह नेजन्मदिन पर युवाओं को हेलमेट-लैपटॉप दिया, महिलाओं को सिलाई मशीन

लखनऊ, (संवाददाता)। सरोजिनी नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक राजेश्वर सिंह बुधवार को अपना जन्मदिन 'आभार दिवस' के रूप में मनाया। इस अवसर पर क्षेत्र के युवाओं, छात्रों और महिलाओं को प्रोत्साहित करने के लिए कई उपयोगी सामग्रियों का वितरण किया। विधायक राजेश्वर सिंह अपने जन्मदिन को सामाजिक सरोकारों से जोड़ते हुए जनता के प्रति आभार व्यक्त करने के लिए यह आयोजन किया। जिसमें बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग भी शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान युवाओं को हेलमेट वितरित किए किए, ताकि सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सके और दुर्घटनाओं को कम किया जा सके। मेधावी और जरूरतमंद छात्रों को लैपटॉप भी दिए गए, जिससे उन्हें पढ़ाई और तकनीकी शिक्षा में मदद मिल सके। छात्रों और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं को बेहतर अध्ययन सुविधा देने के लिए लाइब्रेरी की व्यवस्था की गई। कई जरूरतमंद युवाओं को साइकिल भी वितरित की गई, जिससे उन्हें स्कूल, कॉलेज या अन्य कार्यस्थलों तक पहुंचने में आसानी हो सके।

नयन की भाषा मोहक

(छप्पय)

शब्द जाल का मोह नयन की भाषा मोहक।
करती है संवाद लगे जो रोचक रोचक।
अद्भुत है यह सत्य बताती है हरियाली।
दिल की सुनकर बात पी रहा विष की प्याली।
शर्तों को रखता नहीं मनमानी करता नहीं।
चक्षु- हृदय के खेल को लौकिकता कहता नहीं।।

प्रीत समर्पण प्रेम साधता की परिभाषा।
दूजों का कल्याण मात्र जिनकी अभिलाषा।
वाणी का संसार मौन को धारण करके।
कह देता है बात साथ में उनके रह के।
दिल गंगा-सा हो विमल हरकर सबकी प्यास को।
ठेस न लगने दी कभी अपनों के विश्वास को।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सीएमपी महाविद्यालय में संस्कृत समारोह का आयोजन

प्रयागराज। प्रतिवर्ष के भांति श्त्रिदिवसीय त्रिवेणिका संस्कृत समारोहश का आज दिनांक 11 मार्च 2026 को सीएमपी महाविद्यालय में उद्घाटन हुआ। उद्घाटन करते हुए उप प्राचार्य प्रो. नीता सिन्हा ने प्रतियोगिताओं में शामिल होने वाले प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दी। स्नातक स्तरीय शास्त्रार्थ प्रतियोगिता में शिवम पटेल., सीएमपी महाविद्यालय ने प्रथम,राहुल सिंह, सी एम पी

महाविद्यालय ने द्वितीय तथा.प्रिंस दुबे, ई सी सी महाविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में...ईश्वर शरण महाविद्यालय ने प्रथम., ई सी सी महाविद्यालय ने द्वितीय तथा सी एम पी महाविद्यालय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। श्लोक पाठ प्रतियोगिता में.प्रिंस पाण्डेय, ईसीसी.महाविद्यालय ने प्रथम,श्रेया तिवारी तथा ओम शुक्ल ने द्वितीय तथा.प्रियांशु पाण्डेय तथा शिवानंद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। शास्त्रार्थ प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. ललित कुमार, डॉ. भरत कुमार तथा डॉ राघवेंद्र ने किया। सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. संदीप यादव तथा डॉ प्रियंका सिंह ने तथा डा. शारदा पाठक ने किया। श्लोक पाठ प्रतियोगिता का निर्णय डॉ. कल्पना कुमारी, डॉ. सोनमती पटेल तथा डॉ. आरती सरोज ने किया। शास्त्रार्थ में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 'त्रिवेणिका गौरव सम्मान' तथा पुरस्कार 13 मार्च 2026 को प्रदान किया जाएगा। विभाग संयोजक प्रो. सुरेन्द्र पाल सिंह ने निर्णायकों एवं प्रतिभागियों का स्वागत किया। डा विजय बहादुर ने संचालन तथा डॉ.मनोज कुमार ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कल दिनांक 12 मार्च 2026 को परास्नातक स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा।

लोकपाल समाज शेखर ने आसपुर देवसरा व मंगरौरा ब्लाक का किया भ्रमण व निरीक्षण

-ब्लाक में सुनी शिकायते व जन प्रतिनिधियों के साथ किया संवाद

- तंबूरा नाला के सफाई की हुई मांग, लोकपाल ने जिलाधिकारी को अवगत कराके समाधान का दिया आश्वासन

प्रतापगढ़। ग्राम्य विकास विभाग के जिला लोकपाल समाज शेखर ने आसपुर देवसरा व मंगरौरा ब्लाक का भ्रमण व निरीक्षण किया। ब्लाक मुख्यालय पर शिकायतों को सुना तथा जन प्रतिनिधियों व पंचायत तथा मनरेगा कर्मियों के साथ संवाद किया। भ्रमण के दौरान लोकपाल ने सदर विधायक राजेंद्र मौर्य व ब्लाक प्रमुख मंगरौरा राजीव प्रताप सिंह नंदन के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद स्थापित किया गया।

लोकपाल समाज शेखर ने भ्रमण के दौरान पट्टी ब्लाक के

प्राचीन मध्याशम कालीन पुरावशेष स्थल महदहा व उससे जुड़े नाला का भ्रमण किया। ग्रामीणों ने नाला सफाई की मांग की। वहीं आसपुर देवसरा ब्लाक में उपस्थित प्रधानों ने तंबूरा नाला की सफाई की मांग की जिस पर लोकपाल ने जिलाधिकारी महोदय के संज्ञान में लाकर उक्त कार्य को प्राथमिकता पर कराये जाने का निर्णय लिया।

प्रधान व प्रतिनिधि सेतापुर , धरौली व भीखमपुर ने लोकपाल के साथ विभिन्न विषयों पर संवाद किया और जल निकासी व संरक्षण के कार्य पर बल दिया। लोकपाल समाज शेखर ने उत्साहित करते हुए जल प्रबन्धन के कार्य को अनिवार्य ही नही अपरिहार्य बताया।

मंगरौरा के भौसिया ग्राम के युगेश तिवारी ने पशु सेड के लिए ग्राम पंचायत से सहयोग न प्राप्त होने की शिकायत की जिस पर लोकपाल ने बीडीओ मंगरौरा को अपेक्षित समाधान का निर्देश दिया। लोकपाल के साथ राष्ट्रीय पर्यावरण सुरक्षा संघ के प्रमुख श्लोक मिश्र शामिल रहे।

सम्पादकीय.....

ईरान को मिला नया लीडर, कितनी बदलेगी तस्वीर

अमरीका और इसराईल द्वारा संयुक्त सैन्य अभियान के तहत तेहरान को निशाना बनाए जाने के बाद मध्य–पूर्व में स्थिति अत्यंत गंभीर हो गई है। इस सैन्य कार्रवाई में ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद ईरान की सियासत में एक ऐसा मोड़ आ गया है, जिसने पूरी दुनिया की सांसें थाम दी हैं। अली खामेनेई के निधन के बाद उनके बेटे मोजतबा खामेनेई को देश का नया सर्वोच्च नेता घोषित किया गया है। इस फैसले के बाद अमरीका और इसराईल की प्रतिक्रिया तेज हो गई है और मध्य–पूर्व में तनाव बढने की आशंका जताई जा रही है। मोजतबा खामेनेई ऐसे समय में सत्ता संभाल रहे हैं, जब ईरान गंभीर संकट के दौर से गुजर रहा है। अमरीका और इसराईल ने चेतावनी दी है कि वे ईरान के परमाणु कार्यक्रम और सैन्य ठिकानों को पूरी तरह नष्ट करने तक नहीं रुकेंगे। पूरी दुनिया की नजरें अब तेहरान की अगली रणनीतिक चाल पर टिकी हैं। अब मोजतबा खामेनेई को यह तय करना है कि वह खामेनेई की मौत का बदला लेने के लिए 'महायुद्ध' का रास्ता चुनेंगे या फिर देश को विनाश से बचाने के लिए कूटनीति का सहारा लेंगे। अयातुल्ला अली खामेनेई, वह शख्सियत, जो दशकों तक ईरान की तकदीर का आखिरी फैसला लेते रहे, अब इस दुनिया में नहीं हैं। करीब 4 दशक तक अयातुल्ला अली खामेनेई ईरान के सिस्टम का चेहरा रहे। उन्होंने देश की अंदरूनी और बाहरी राजनीति पर अपना लगभग पूरा कंट्रोल रखा। उनकी मौजूदगी ही ईरान की सियासत की दिशा तय करती थी। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। अमरीकी–इसराईली हमले में उनकी मौत के बाद सत्ता के गलियारों में हलचल तेज है। सवाल सिर्फ नए चेहरे का नहीं, बल्कि उस राह का भी है, जिस पर ईरान आगे बढ़ेगा। यह ठीक है कि खामेनेई की मौत से ईरान की वर्तमान सरकार का तंत्र पूरी तरह ध्वस्त तो नहीं होगा लेकिन यह फिर कभी पहले जैसा भी नहीं हो पाएगा। खामेनेई ने अपनी जिंदगी में हमेशा पश्चिम और खास तौर से अमरीका को अविश्वास की निगाह से देखा। इसलिए, उनके बाद बदलाव आना तय है। इतना तो साफ है कि ईरान के खाड़ी देशों पर हमलों ने इन देशों की तेहरान के साथ सावधानीपूर्ण और संतुलित संबंध बनाए रखने की नीति को भारी हानि पहुंचाई है तथा खाड़ी देशों की इसराईल के साथ व्यापक सुरक्षा सांझेदारी की संभावनाओं के मार्ग को प्रशस्त किया है। यदि ईरान खाड़ी देशों में अपने हमलों को नहीं रोकता तो निरूसंदेह बाकी के खाड़ी देश भी इस तरह का कदम उठा सकते हैं। इतना ही नहीं, यदि ईरान खाड़ी देशों में अपने अभियान को बढ़ाता है तो खाड़ी देशों के साथ एक व्यापक सैन्य संघर्ष की स्थिति भी बन सकती है। इसमें संदेह नहीं कि खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों ने तेहरान के पश्चिम एशियाई क्षेत्र में कूटनीतिक रूप से और अधिक अलग–थलग पडने की संभावनाओं को बढ़ा दिया है। वहीं दूसरी तरफ, इन हालात में भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती इसराईल–ईरान के बीच कूटनीतिक संतुलन बैठाना होगा। इसराईल हमारा बड़ा रक्षा भागीदार है, जबकि ईरान क्षेत्रीय संपर्क की दृष्टि से अहम है। खाड़ी और मध्य–पूर्व में करीब 90 लाख भारतीय रहते हैं। उनकी सुरक्षा पर अब सीधा असर पड़ेगा। भारत को मिलने वाली कुल विदेशी मुद्रा का लगभग 38 फीसदी हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। भारत अपनी लगभग 60 फीसदी ऊर्जा जरूरत इसी क्षेत्र से आयात करता है। अगर सप्लाई रुकी तो भारतीय अर्थव्यवस्था पर इसका बड़ा असर पड़ेगा। साथ ही, चाबहार पोर्ट के अलावा होर्मुज समुद्री मार्ग बंद होने से भारत के व्यापार पर बेहद प्रतिकूल असर पड़ेगा। भारत पहले से रूस से तेल खरीदने को लेकर अमरीकी दबाव में है। ऐसे में यह स्थिति भारत के लिए कूटनीतिक और आध्थक रूप से बेहद चुनौतीपूर्ण है। भारत के ईरान से ऐतिहासिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। अब नए नेतृत्व के साथ तालमेल बैठाना भी एक बड़ी कूटनीतिक परीक्षा होगी। कुल मिलाकर, खामेनेई की मौत केवल ईरान की नहीं, बल्कि पूरे क्षेत्र और दुनिया की राजनीति को बदल सकती है। आने वाले दिन निर्णायक साबित होंगे। अब सवाल यह है कि क्या ईरान में एक और क्रांति होगी या फिर सेना सत्ता अपने हाथ में ले लेगी? क्योंकि ईरान का सुप्रीम लीडर देश की राजनीति और सेना दोनों पर सबसे बड़ा नियंत्रण रखता है। इसलिए यह पद केवल धार्मिक या राजनीतिक नेतृत्व का नहीं, बल्कि पूरे सिस्टम की दिशा तय करने वाला है। यही वजह है कि खामेनेई के बाद अब पूरी दुनिया की नजर तेहरान पर टिकी हुई है। सवाल सिर्फ इतना नहीं है कि नया नेता कौन होगा, बल्कि यह भी है कि क्या ईरान की नीतियां बदलेंगी या फिर वही पुराना टकराव जारी रहेगा? खैर, ईरान की शासन व्यवस्था में क्या बदलाव आएगा, यह तो वक्त ही बताएगा, लेकिन खामेनेई की मौत कई दूसरे देशों के लिए परेशानी की वजह जरूर बन सकती है।

ईरान युद्ध के कारण ऊर्जा संकट से निपटने के लिए बांग्लादेश ने आपातकालीन कदम उठाए

आशीष विश्वास

बांग्लादेश में नई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के लिए, युद्ध इससे और बुरे समय पर नहीं आ सकता था। प्रधानमंत्री रहमान अपनी टीम के साथ अपने कार्यालय में मुश्किल से ही जम पाए हैं, और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और कानून का राज बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दोनों ही मामलों में, रहमान को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है बांग्लादेश ने आने वाले दिनों में ईंधन की भारी कमी से बचने के लिए पेट्रोल राशनिंग का सहारा लिया है, क्योंकि अमेरिका और इजरायल के सेनाओं द्वारा ईरान के खिलाफ युद्ध का पहला हफ्ता पूरा हो गया है। नए प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने लोगों के लिए एक मिसाल कायम करते हुए अपने सरकारी घर में बिजली की खपत कम कर दी है। अर्थशास्त्रियों ने कहा कि बांग्लादेश उन एशियाई देशों में खास तौर पर शामिल है जो अपनी ज़्यादातर ऊर्जा आपूर्ति मध्यपूर्व से आयात करते हैं। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की घोषणा के बाद, इस इलाके के तेल वाले देशों से पड़ोसी दक्षिण एशिया और उससे आगे की ज़्यादातर आपूर्ति मार्ग बाधित हो गई थीं। ईरान ने रूस, चीन और उन देशों के लिए नई शिपिंग आवाजाही में थोड़ी राहत की घोषणा की जो अमेरिका और इजरायल ने मिलकर शुरू किए गए शबिना उकसावेश वाले युद्ध में शामिल नहीं थे, परन्तु तब तक लागू नहीं हुए थे। तेहरान के अधिकारियों ने संकेत दिया कि गैर–लड़ाकू देशों के जहाजों को पहले की तरह जलडमरूमध्य का इस्तेमाल करने की इजाजत होगी। हालांकि, आम तौर पर अन्तरराष्ट्रीय शिपिंग को नुकसान हुआ था। भारत ने बताया कि उसके कम से कम 35 जहाज अलग–अलग जगहों पर फंसे हुए थे। दूसरे देशों के लिए भी हालात कुछ बेहतर नहीं थे। ईरानी रुकावट के असर से, इस इलाके में काम करने वाली बड़ी शिपिंग कंपनियों ने अपना काम रोक दिया क्योंकि वे हालात, युद्ध की स्थिति का अध्ययन कर रही थीं और भविष्य में कार्गो और यात्री आवाजाही मूवमेंट सुनिश्चित करने के लिए नए रास्तों या चौनलों का इस्तेमाल करने की संभावना पर चर्चा कर रही थीं।

जैसे ही पूरे समुद्री यातायात की समयसारिणी गड़बड़ा गयी, कई इंश्योरेंस कंपनियों ने भविष्य के कार्गो आवाजाही को अंतिम रूप देने से पहले अपने शुल्क या प्रिमियम बढ़ाने की कोशिश की। हिंद महासागर में श्रीलंका के अन्तरराष्ट्रीय जल के पास एक ईरानी जहाज के डूबने की खबर, जिसमें लगभग 100 नाविकों की मौत हो गई, यह दिखाती है कि मामला कितनी जल्दी किसी के कंट्रोल से बाहर हो गया था।आगे की बातें शायद ही कोई अच्छी बात थीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान सरकार से पूरे इलाके में शांति बहाल करने के लिए तुरंत और बिना किसी शर्त के आत्मसमर्पण करने को कहा, और तेहरान ने तुरंत चेतावनी में इसका उत्तर दिया। मीडिया में ऐसी खबरें थीं कि राष्ट्रपति ट्रंप खुद अमेरिका के अंदर गुस्से वाली प्रतिक्रिया का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, पश्चिम एशिया इलाके में कई अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर ईरान के ड्रोन और मिसाइलों से हुए बड़े नुकसान की खबरें मिलीं। अमेरिका में मौजूद कुछ सैन्य विशेषज्ञों को ईरान की तुरंत हार की संभावना पर शक था। इसके उलट, उन्हें लगा कि इलाके में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार जवाबी हमला करके, ईरान ने अपने बचाव की चाल में अमेरिका को अपने संसाधन काफी कम करने पर मजबूर कर दिया है। बांग्लादेश में नई बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) सरकार के लिए, युद्ध इससे और बुरे समय पर नहीं आ सकता था। प्रधानमंत्री रहमान अपनी टीम के साथ अपने कार्यालय में मुश्किल से ही जम पाए हैं, और देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाने और कानून का राज बहाल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। दोनों ही मामलों में, रहमान को बड़ी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि उनके पूर्व के मुख्य शासक डॉ. एम. यूनुस ने ऐसे लोगों को तैनात किया था जो अपने बाद आने वालों के लिए पूरी तरह से स्थिति गड़बड़ कर दी थी! वैसे भी, ईरान युद्ध से पहले ही, बांग्लादेश अपने इतिहास की सबसे बुरी महंगाई से बुरी तरह प्रभावित था। यूनुस के राज में शासन का नामोनिशान तक नहीं था, क्योंकि भीड़ की हिंसा का बोलबाला था, तथा बांग्लादेश में रोजाना होने वाले औसत हत्याओं की संख्या 35 से 45 के बीच रहती थी। उद्योगों को बड़े पैमाने पर बिजली कट का सामना करना पड़ा, जिससे देश का उत्पादन कम हो गया। खाद्य पदार्थ और प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ बहुत महंगे हो गये, और पड़ोसी भारत से आपूर्ति हमेशा नहीं मिलती थी, क्योंकि यूनुस ने बार–बार भारत सरकार को नाराज किया। लेकिन आम बांग्लादेशी को भारत के बजाय पाकिस्तान को देश का मुख्य व्यापारिक भागीदार बनाने की कीमत चुकानी पड़ी। माना जाता है कि बांग्लादेश में अभी लगभग 600 लाख लोग गरीबी रेखा के नीचे हैं, तथा डॉ. यूनुस के 18 महीने के लंबे कार्यकाल में यह संख्या दोगुनी हो गई! रहमान ने एक अधिक सकारात्मक शुरुआत की है। उन्होंने सबके सामने यह ऐलान किया है कि एक शासक के तौर पर वह भारत या पाकिस्तान भागने के बजाय पहले बांग्लादेश के हितों को सुरक्षित करेंगे। उनके इस कदम का स्वागत करते हुए, भारत ने तुरंत और सकारात्मक जवाब दिया, और बांग्लादेशियों के लिए पहले लगाई गई चिकित्सा वीजा पाबंदियों को हटा दिया। इसका मतलब था कि बांग्लादेशी दक्षिण भारत के अस्पतालों और क्लिनिकों में उपलब्ध सबसे अच्छी भारतीय चिकित्सा सुविधाओं का फायदा काफी कम कीमत पर उठा पायेंगे। यूनुस के 18 महीने के लंबे कार्यकाल के दौरान, उन्हें कुनमिंग, चीन या सिंगापुर में इलाज के लिए बड़े कर्ज लेने पड़े। बीएनपी की ओर से, रहमान ने अपनी मां, बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री, मरहूम खालिदा जिया की मौत पर चिंता और पानी के बंटवारे और दूसरे मुद्दों पर बांग्लादेश की पुरानी मांगों को पूरा करने के लिए बड़े देश भारत के तैयार रहने के लिए इसका दिल से शुक्रिया अदा किया। अपनी पहले से ही भरी हुई राजनीतिक और आर्थिक परेशानियों के अलावा, अब रहमान को आने वाली ईंधन आपातकालश (जैसा कि ढाका के कुछ जानकार इसे देखते हैं) से बाहर निकलने का रास्ता खोजना होगा, जो ईरान में युद्ध की वजह से पैदा हुई है, जिसमें उनकी कोई गलती नहीं है। किसी भी राजनीतिक नेतृत्व के लिए यह एक मुश्किल काम है, जो क्रिकेट की भाषा में कहें तो अभी मुश्किल से ही आगे बढ़ा है और शायद अभी तक बांग्लादेश अपनी ऊर्जा सुरक्षा के सभी उपाय नहीं कर पाया है।

नीतीश की विदाई या जदयू का सफाया

राजेंद्र शर्मा

नाटक के पहले अंक में, बिहार के मुख्य मंत्री पद पर बने रहते हुए, नीतीश कुमार ने राज्यसभा की सदस्यता के लिए चुनाव के लिए अपना पर्चा भरा। यह पर्चा भरे जाने के संबंध में दो बातें खासतौर पर गौर करने वाली थीं। पहली, यह पर्चा नीतीश कुमार की अपनी पार्टी, जदयू के मंझले दर्जे के नेताओं और कार्यकर्ताओं के मुखर तथा काफी व्यापक विरोध के बावजूद भरा गया। इस विरोध की शुरूआत, राज्यसभा के रास्ते से नीतीश कुमार की बिहार से विदाई की खबरें आने के साथ ही हो गयी थी। वास्तव में इस मुखर विरोध को शांत करने के लिए और बिहार से अपनी विदाई के लिए, बिहार में गठजोड़ सरकार में अपनी सहयोगी, भाजपा को अपने समर्थकों का निशाना बनने से बचाने के लिए, नीतीश कुमार ने यह अजीबो–गरीब बयान भी दिया था कि उनकी ही इच्छा थी कि राज्यसभा के सदस्य के रूप में भी देश की सेवा करें। वैसे बिहार में सरकार और पार्टी को उनका मार्गदर्शन मिलता रहेगा। जाहिर है कि उनके इस बयान का कम से कम जदयू कार्यकर्ताओं की निराशा पर कोई असर नहीं पड़ा। हां! भाजपा को जरूर आलोचनाओं से अपने को बचाने के लिए कुछ सहारा मिल गया। नीतीश कुमार के राज्यसभा का पर्चा भरने के संबंध में दूसरी खास बात थी, इस मौके पर देश के गृहमंत्री और भाजपा में मोदी के बाद नंबर दो माने जाने वाले, अमित शाह का नीतीश कुमार की बगल में खड़े रहना। इस मौके पर अमित शाह की उपस्थिति एक प्रकार से इसकी याद दिलाने के लिए भी थी कि बिहार की सत्ता में आम तौर पर तथा जदयू में खासतौर पर यह संक्रमण, उनके ही चाणक्य नीति लक्ष्यों के पूरे होने का इशारा कर रहा था। जाहिर है कि खुद अपने हाथों से फैसलों को लागू कराने में विश्वास करने वाले और नरेंद्र मोदी के सबसे बड़े विश्वासपात्र, अमित शाह इस मौके पर खुद उपस्थित रहकर यह तो खैर सुनिश्चित कर ही रहे थे कि भाजपा के मनमाफिक कार्ययोजना बिना किसी दिक्कत के अमल में लाई जाए और उसे जमीन पर उतारने में आखिरी वक्त पर कोई अड़चन नहीं आने पाए। इसी नाटक के दूसरे अंक में, जाहिर है कि पूर्व–योजना के अनुसार, पटना में जदयू कार्यालय में बड़ी धूम–धाम के साथ नीतीश कुमार के पुत्र, निशांत कुमार की राजनीतिक पारी की शुरूआत का ऐलान किया गया। नीतीश कुमार के बाद, जदयू के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाने वाले, पार्टी राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, संजय झा और केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह ने उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलायी। हालांकि, औपचारिक तौर पर यह मौका निशांत कुमार के पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने का था, लेकिन इसमें न तो निशांत कुमार को कोई शक था और न उन्हें पार्टी का सदस्य बनाने वालों को कि, वास्तव में यह उनके पार्टी का नेतृत्व संभालने का मौका था। इस मौके पर अपने संबोधन में निशांत कुमार ने जिस तरह, नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में ही काम करने का आश्वासन देने के बाद, पार्टी कार्यकर्ताओं की राय के अनुसार, पार्टी को मजबूत करने का भरोसा दिलाया, वह पार्टी का नेतृत्व संभालने के मौके के अनुरूप था। और जनता के दिल में घर बनाने की कोशिश करने का उनका आश्वासन तो, यह साफ ही कर देता था कि वह इस आयोजन को पार्टी की गद्दी ही सौंपे जाने के मौके की तरह देख रहे थे। याद दिला दें कि बिहार में सत्ता परिवर्तन के, जाहिर है कि भाजपा अनुमोदित पैकेज के हिस्से के तौर पर, निशांत कुमार को बिहार सरकार में महत्वपूर्ण और जदयू की ओर से संभवतरू सबसे महत्वपूर्ण पद सौंपे जाने की चर्चा, पहले ही चल रही थी। इन अनुमानों में आम तौर पर जानकारों की यह राय रही है कि उन्हें उप–मुख्यमंत्री पद सौंपा जा सकता है, क्योंकि मुख्यमंत्री पद भाजपा को दिलवाया जाना तो इस पूरी कसरत का असली मकसद ही है। प्रसंगवश इसका जिक्र भी कर दें कि निशांत कुमार के शराज्यारोहणश के समय तक, जदयू कार्यकर्ताओं का असंतोष शांत नहीं हुआ था। इस मौके पर भी जदयू कार्यालय में, पार्टी कार्यकर्ताओं के एक हिस्से और केंद्रीय मंत्री ललन सिंह के समर्थकों में, बाकायदा मार–पीट हुई। याद रहे कि जदयू कार्यकर्ताओं का अच्छा–खासा हिस्सा इस सारे बदलाव को, नीतीश कुमार और जदयू के खिलाफ एक साजिश के रूप में देखता है, जिसे पर्दे के पीछे से केंद्र सरकार तथा भाजपा संचालित कर रही है। केंद्रीय मंत्री, ललन सिंह की जदयू और नीतीश कुमार के प्रति वफादारी पर संदेह जताए जाते रहे हैं। यह भी याद दिला दें कि बिहार में यह सत्ता संक्रमण किसी भी तरह से अप्रत्याशित नहीं है। वास्तव में, पिछले साल राज्य में विधानसभा चुनाव के मौके पर तो लगातार ही विपक्ष की ओर से यह सवाल उठाया जाता रहा था कि क्या भाजपा, चुनाव के बाद गठबंधन के कामयाब होने की सूरत में, अगले पांच साल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार का नेतृत्व स्वीकार करेगी? विपक्ष ही नहीं, अनेक टिप्पणीकारों के भी इस आशय के सवालों के बावजूद, भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान काफी वक्त तक इस सवाल का स्पष्ट उत्तर देने से बचती ही रही थी। इसके बजाय भाजपा, नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही विधानसभा चुनाव लड़े जाने पर जोर देती रही थी, लेकिन इसे विशेष रूप से महाराष्ट्र के अनुभव की रौशनी में, चुनाव में जीत के बाद भी नीतीश कुमार के मुख्यमंत्री बनने पर, संदेह बनाए रखने का ही इशारा माना जा रहा था।

पाठकों को याद ही होगा कि महाराष्ट्र में गठजोड़ सरकार के तत्कालीन मुख्यमंत्री, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में विधानसभाई चुनाव लड़े जाने के बाद, विधानसभा में अपनी ताकत ज्यादा होने के तर्क से भाजपा ने, मुख्यमंत्री पद खुद अपने नाम कर लिया था और शिंदे को धकेल कर उप–मुख्यमंत्री पद पर पहुंचा दिया था। स्वाभाविक रूप से बिहार में पूछा जा रहा था कि यह मानने का क्या आधार है कि भाजपा, महाराष्ट्र के इस पैंतरे को बिहार में भी नहीं आजमाएगी। उल्टे नीतीश कुमार के स्वास्थ्य को लेकर बढ़ते सवालों के बीच, इसकी अटकलों को और बल ही मिल रहा था कि चुनाव में जीत मिली तो भाजपा, अपना मुख्यमंत्री बनवाएगी। वास्तव में ये आशंकाएं बिहार में 2020 के आखिर में हुए चुनाव के नतीजे में, सत्ताधारी जदयू–भाजपा गठजोड़ में ताकतों के संतुलन हुए बदलाव की भी निरंतरता में थीं। यह बिहार में पहली गठजोड़ सरकार थी, जिसमें दो उप–मुख्यमंत्री थे, जो दोनों ही भाजपा से थे। और कार्यकाल के बीच में ही जब नीतीश कुमार ने भाजपा का साथ छोड़कर, राजद के साथ गठबंधन सरकार बनाई, वह सरकार तो कुछ महीने ही चली और उसके बाद नीतीश कुमार एक बार फिर पल्टी मारकर भाजपा के साथ गठजोड़ में पहुंच भी गए, लेकिन उसके बाद सिर्फ नीतीश कुमार के प्रति भाजपा का अविश्वास ही नहीं बढ़ा था, गठजोड़ सरकार में ताकतों का संतुलन भाजपा ने अपने पक्ष में और भी झुका लिया था। इसके बावजूद, चार महीने पहले विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत के फौरन बाद, बहुतेरे अनुमानों के विपरीत भाजपा ने मुख्यमंत्री पद पर अधिकार की मांग तो नहीं की, पर उसने सरकार में ताकत का संतुलन और ज्यादा अपने पक्ष में झुका लिया। इसमें विधानसभा के स्पीकर का पद हासिल करने का विशेष रूप से रणनीतिक महत्व था। और अब चार महीने बाद ही भाजपा ने, मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए अपना दांव चल दिया है। फिर भी यह सिर्फ नीतीश कुमार की बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में, बीस साल लंबी पारी के अंततः खत्म होने का ही मामला नहीं है।

नारी ही सृष्टि का मूल है : डॉ. उमर अली शाह

हैदराबाद। उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि नारी ही सृष्टि का मूल हैं और सृष्टि की जननी है। रविवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर डॉ. उमर अली शाह ने उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट की हैदराबाद शाखा के सदस्यों के तत्वावधान में अबिड्स के हीरा हॉल और श्री सिंधी गुरु फंक्शन हॉल में आयोजित एक कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाग ले रहे थे।

दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम का उद्घाटन करने के उपरांत डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि माता–पिता से बढ़कर कोई भगवान नहीं है। वह चाहते हैं कि महिलाओं को उनका अधिकार मिले और उनका सम्मान किया जाए। टाटीकोंडा की पूर्व विधायक डॉ. उंडावल्ली श्रीदेवी ने महिलाओं के विकास और तरक्की के बारे में उपयोगी और सभी क्षेत्रों में महिलाओं की तरक्की के बारे में भी चर्चा की।उन्होंने कहा कि महिलाओं को किसी भी क्षेत्र में कम नहीं समझा जाना चाहिए, और सभी को महिला शक्ति बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर महिलाओं को मौका दिया जाए, तो वे चमत्कार कर सकती हैं। महिला दिवस के मौके पर, कट्टा लक्ष्मी को फरज़ाना अली शाह डिस्टिंग्विश्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया।

इस कार्यक्रम में गिडुगु राममूर्ति फाउंडेशन की प्रेसिडेंट वेमुरी लक्ष्मी कांति, मशहूर डॉक्टर, गायनेकोलॉजी, सिविल सर्जन स्पेशलिस्ट डॉ. आर. हरिप्रिया, साइकोलॉजिस्ट डॉ. टी. शांतिश्री, तेलंगाना के युवाओं के बास्केटबॉल कोच ए.एस. शैलजा विशिष्ट अतिथि के तौर पर शामिल हुए। इस मौके पर ट्रस्ट के चेयरमैन डॉ. उमर अली शाह ने फीता काटकर वहां लगाए गए स्टॉलों का उद्घाटन किया। बाद में, डॉ. उमर अली शाह ने रियल स्पेस इंफ्रा डेवलपर्स के चेयरमैन कोंडाबट्टीना शिव नारायण द्वारा प्रकाशित कैलेंडर का अनावरण किया। ज़ोरा डिज़ाइन स्टूडियो द्वारा एक कपड़ों की दुकान, प्रकृति मातृ ऑर्गेनिक फूड्स द्वारा एक फूड स्टॉल, उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा आयोजित एक निरू शुल्क होम्योपैथिक मेडिकल शिविर और एस.बी.आई. बैंक द्वारा एक जीवन बीमा स्टॉल लगाया गया। कार्यक्रम के तहत प्रस्तुत नाटक ने दर्शकों को प्रभावित किया। दात्रक मॉडल स्कूल में पढ़ने वाले कक्षा 8 और 9 के छात्रों द्वारा प्रस्तुत नृत्य ने दर्शकों का मनमोह लिया औ। विभिन्न राज्यों की पारंपरिक वेशभूषा में आयोजित रैंप वॉक ने सभी का मनोरंजन किया। सभा में उमर अली शाह रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट द्वारा महिलाओं को दी जाने वाली सेवाओं से संबंधित एक वीडियो दिखाया गया। बाद में, कार्यक्रम में शामिल मेहमानों को मंच पर आमंत्रित किया गया और मंच को सजाया गया। डॉ. शेख खाजा इंदाद ने प्रार्थना गीत गाया। डॉ. उमर अली शाह ने अलग–अलग क्षेत्रों में बेहतरीन काम करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत किया। प्रोग्राम में उमर अलीशा रूरल डेवलपमेंट ट्रस्ट के बड़ी संख्या में सदस्यों ने हिस्सा लिया।

रचना सक्सेना की कुण्डलियाँ

सबका ही सोचो भला, मन में रख मत पाप।
एक भरोसा ईश का, मिटे सभी संताप।।
मिटे सभी संताप, सुखद तब जीवन होगा।
रखना मत वह याद, बुरा जो अब तक भोगा।।
कहती रचना आज, रहो आभारी रब का।
ऐसा कर बस काम, प्यार मिल जाए सबका।।

सब मिटते संताप हैं, मन होता खुशहाल।
एक प्रभो को याद रख, छोड़ो माया जाल।।
छोड़ो माया जाल, प्रेम बस बाटों जग में।
काम करो कुछ नेक, बने किस्मत हर पग में।।
कहती रचना आज, ध्यान में रखना अब।
जीवन तब खुशहाल, पास जब दिल के हों सब।।

रचना सक्सेना
अलोपीबाग
प्रयागराज

नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने..उत्तम नगर मर्डर पर फूटा स्वरा भास्कर का गुस्सा, सीएम रेखा गुप्ता पर साधा निशाना

> पुलिस ने दोषियों को अरेस्ट किया। अब उन पर लीगल तरीके से केस चलना चाहिए। इधर, बजरंग दल/विश्व हिंदू परिषद भी विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे और मुस्लिम परिवार का घर जला दिया।

राजधानी दिल्ली के उत्तम नगर में होली के दिन 4 मार्च को 26 साल के तरुण खाटिक की हत्या ने हर किसी को झकझोर दिया। सोशल मीडिया पर इस मर्डर के खिलाफ लोग अपना जमकर रोष जाहिर करते नजर आ रहे हैं। वहीं, अब हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने एक लंबा–चौड़ा पोस्ट कर अपना गुस्सा जाहिर किया है। उनका ये पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। स्वरा भास्कर ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, शहोली के दौरान मुस्लिम पड़ोसियों के साथ झड़प हुई और उसमें तरुण खाटिक की हत्या के बाद पूरा संघी इकोसिस्टम हंगामा मचा रहा है। ये कहानी बहुत उलझी हुई है। दिल्ली पुलिस ने कंफर्म किया है कि इन पड़ोसियों के बीच दशकों पुराना विवाद था। और हिंदू परिवार की बच्ची ने बुर्का पहनी मुस्लिम महिला पर पानी का गुब्बारा फेंका था। जिसके बाद लड़ाई हुई। उधर, तरुण भी अपने दोस्तों को जिम से बुला लाया। इसके बाद झगड़ा बढ़ा और तरुण के सिर में चोट लगने से वो गिर गया। उसके दोस्त भाग गए। दोनों परिवार के लोगों को अस्पताल में एडमिट करवाया गया। अगले दिन तरुण की अस्पताल में ही मौत हो गई। ये बहुत ही भयावह है और इस मौत को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। स्वरा ने आगे लिखा, अब देखिए नफरत फैलाने वाले संघी लोगों ने क्या किया... उन्होंने मुस्लिम भीड़ द्वारा हिंदू लड़के की पीट–पीटकर हत्या किए जाने की खबर को हेडलाइन्स और पोस्टों में फैलाया और नारा लगाया कि हिंदू खतरे में हैं। पुलिस ने दोषियों को अरेस्ट किया। अब उन पर लीगल तरीके से केस चलना चाहिए। इधर, बजरंग दलधविश्व हिंदू परिषद भी विरोध प्रदर्शन करने पहुंचे और मुस्लिम परिवार का घर जला दिया। और कथित तौर पर लूटपाट भी की। आंटी जी रेखा गुप्ता ने इस मामले में हस्तक्षेप किया और आदेश दिया जिसके बाद दिल्ली के निजामुद्दीन इलाके में मुस्लिम परिवार के घर को बुलडोजर से गिरा दिया गया। बता दें, दिल्ली पुलिस के मुताबिक, इन पड़ोसियों के बीच सालों पुरानी रंजिश थी, जो होली पर गुब्बार बनकर फूटा।

अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर मिलेगा बड़ा सरप्राइज

अल्लू अर्जुन के जन्मदिन पर फैंस को एक बड़ा सरप्राइज मिलेगा। एक्टर की अपकमिंग फिल्म ।।22ग।6 का टाइटल सामने आया। इस फिल्म का टीजर एक खास इवेंट में बॉलीवुड के सुपरस्टार शाहरुख खान रिवील करेंगे। फिल्म ।।22ग।6 के डायरेक्टर एटली शाहरुख खान को फिल्म 'जवान' में निर्देशित कर चुके हैं। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म ।।22ग।6 के मेकर्स अल्लू अर्जुन के जन्मदिन (8 अप्रैल) पर ऑफिशियल टाइटल फैंस को बताएंगे। टाइटल की घोषणा खास अंदाज में होगी। टाइटल और टीजर वीडियो में वीएफएक्स का इस्तेमाल होगा। साथ ही दर्शकों को फिल्म की कहानी की झलक भी मिलेगी। अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण फिल्म ।।22ग।6 का हिस्सा हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इसमें मृणाल ठाकुर, रश्मिका मंदाना और जान्हवी कपूर भी नजर आएंगी। डायरेक्टर एटली अलग तरह की कहानी फिल्म में दिखाएंगे। साथ ही इसमें एक्शन भी भरपूर होगा।

फिल्म एक दिन का ट्रेलर हुआ रिलीज, नजर आई साई पल्लवी और जुनैद खान की रोमांटिक लव स्टोरी

आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्म 'एक दिन' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। फिल्म के ट्रेलर में जुनैद और साई पल्लवी की रोमांटिक केमिस्ट्री नजर आई। जुनैद खान और साई पल्लवी की फिल्म 'एक दिन' का रोमांटिक ट्रेलर कुछ ही देर पहले रिलीज हुआ है। आमिर खान प्रोडक्शन की इस फिल्म का टाइटल ट्रैक हाल ही में रिलीज किया गया था। आज एक दिन का ट्रेलर रिलीज कर निर्माताओं ने फैंस को खुश कर दिया है। आमिर खान के प्रोडक्शन में बनी फिल्म एक दिन का ट्रेलर आज रिलीज हो चुका है। एक दिन के ट्रेलर को आमिर खान प्रोडक्शन ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इसके साथ निर्माताओं ने पोस्ट में लिखा, कभी–कभी एक दिन भी काफी होता है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म एक दिन के ट्रेलर की शुरुआत एक फॉर्च्यून बेल यानी किस्मत की घंटी के सीन से होती है, जिसे बजाकर सभी प्रेमी जोड़े अपनी किस्मत आजमाते हैं, ताकि उन्हें अपना सच्चा प्यार मिल जाए। इस ट्रेलर के सीन में जुनैद भी एक विश मांगते हैं और कहते हैं काश मीरा (साई पल्लवी) उनकी हो जाए, फिर चाहे वो सिर्फ एक दिन के लिए ही क्यों न हो। इसके बाद शुरू होती है फिल्म में साई और जुनैद की लव स्टोरी। एक दिन का निर्देशन सुनील पांडे ने किया है। यह एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 1 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले निर्मित इस फिल्म में जुनैद खान और साई पल्लवी मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह 2016 की थाई फिल्म वन डे का रीमेक है।

थलपति विजय–तृषा के अफेयर की अटकलों के बीच बचाव में उतरे विक्रम भट्ट, लिखा– लोग खुशी पाने के लिए रिश्ते में आते

साउथ के सुपरस्टार थलपति विजय इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी सुर्खियों में हैं। पत्नी संगीता संग चल रही तलाक की खबरों के बीच एक्ट्रेस तृषा कृष्णन संग अफेयर की अफवाहों ने और चर्चा बढ़ा दी है। एक शादी के इवेंट में दोनों को साथ देखे जाने के बाद उनकी खूब आलोचना की जा रही हैं। वहीं, इन सबके बीच फिल्ममेकर विक्रम भट्ट ने थलापति विजय और तृषा के सपोर्ट में पोस्ट किया है, जो खूब वायरल हो रहा है। विक्रम भट्ट ने अपनी पोस्ट में विजय और तृषा का बचाव करते हुए लिखा– विजय और तृषा कृष्णन के निजी जीवन को लेकर काफी चर्चा हो रही है। मुझे नहीं पता कि ऑनलाइन फैली अफवाहें सच हैं या नहीं, लेकिन अगर वो सच हैं, तो मुझे कुछ बातें कहना जरूरी लगता है। हाल ही में जेल में बिताए समय ने मुझे आजादी का महत्व समझाया है। एक कप चाय की चाहत जो कभी पूरी न हो, उसका क्या मतलब होता है? टूथपेस्ट की तलाश करना कैसा होता है? शाम सात बजे का इंतजार करना कैसा होता है, जब जमानत की अर्जियां आती हैं तो कैसा लगता है। विक्रम ने आगे कहा इससे भी बदतर एक कैद होती है। वो है इंसान की आत्मा की कैद। खुशी की कैद। जब दो लोग एक ऐसे रिश्ते में फंसे रह जाते हैं, जिसका समय समाप्त हो चुका है, लेकिन समाज उस रिश्ते को जारी रखने पर जोर देता है। तो वो भी एक तरह की कैद है। मैं किसी के लिए बेवकूफ बन चुका हूं। दूसरे शब्दों में, मैंने ये सब अनुभव किया है। इंसान का दिल गलती करने वाला होता है। ये वहीं जाता है, जहां इसे खुशी मिलती है।' फिल्ममेकर ने आगे लिखा–लोग खुशी पाने के लिए रिश्ते में आते हैं, और खुशी पाने के लिए ही अलग भी होते हैं। अपने बारे में कहूं तो, मैं प्यार के बिना रिश्ते से बाहर निकल जाऊंगा। हो सकता है मैं पैसे लेकर निकलूं। हो सकता है मैं संपत्ति लेकर निकलूं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात, मैं अपनी इज्जत और सम्मान के साथ निकलूंगा। मुझे विजय और तृषा में कुछ कमाल का लगता है। किसी चीज के अस्तित्व को नकारने का दिखावा न करने में गरिमा होती है। प्यार को इस तरह न छिपाने में गरिमा है, ये कोई पाप नहीं है। उनकी फिल्में हमारी हैं, उनका निजी जीवन हमारा नहीं है। मैं हमेशा मानवीय हृदय की स्वतंत्रता के लिए खड़ा रहूंगा। उन्हें जीने और प्यार करने का अधिकार है।' बताया जा रहा है कि विजय की वाइफ संगीता ने कोर्ट में एक्टर के खिलाफ तलाक के लिए याचिका दायर की है। साथ ही उनके एक्सट्रा मैरिटियल अफेयर की भी बात कही है। इन सब के बीच कहा जा रहा है कि विजय इस मामले को कोर्ट के बाहर ही सुलझाना चाहते हैं। इसलिए उन्होंने अपनी वाइफ संगीता को 250 करोड़ रुपये की एलिमनी भी ऑफर की है।

'आया शेर' के लिए द पैराडाइज मेकर्स ने बनाया 2.5 एकड़ का स्लम सेट

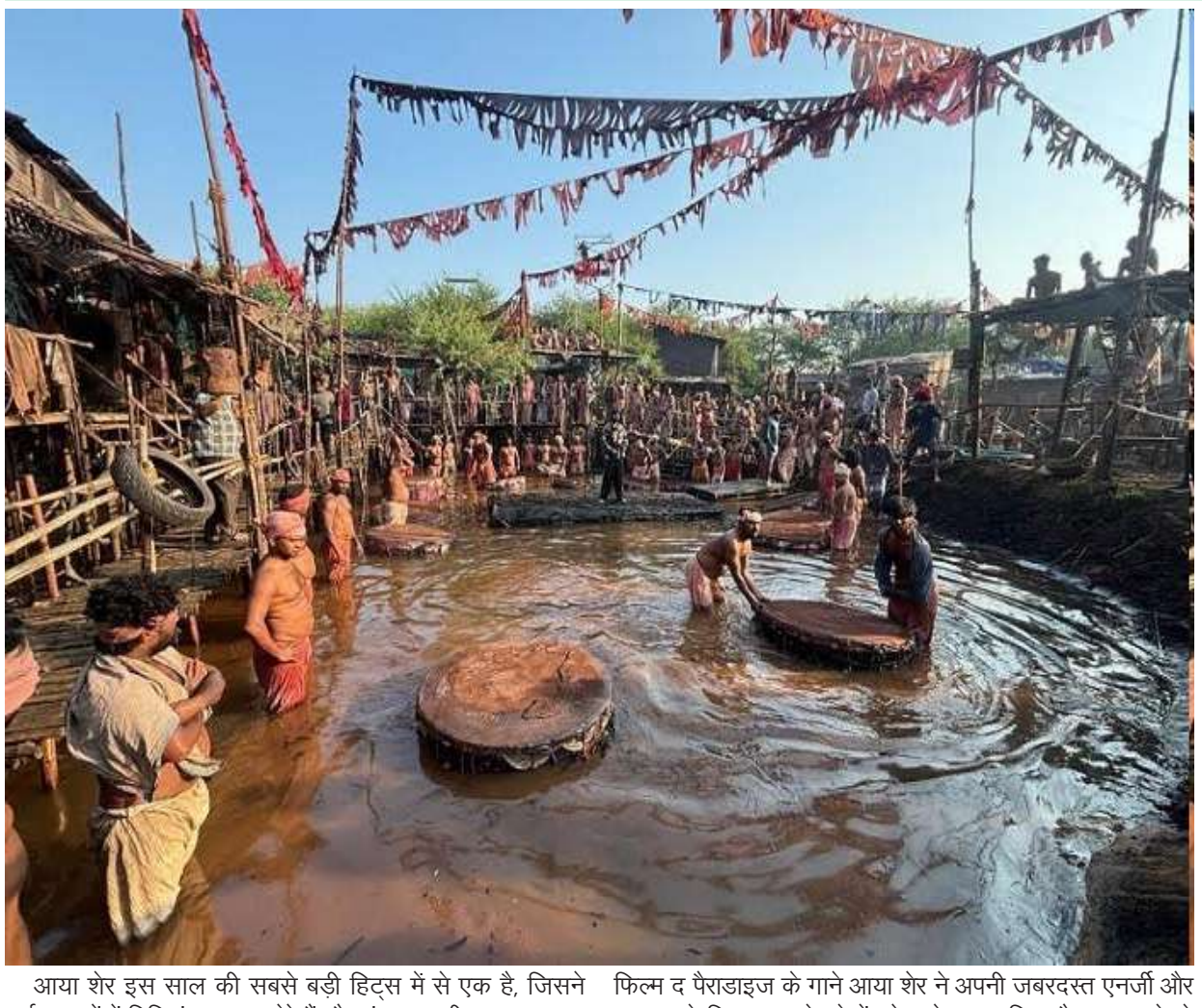

आया शेर इस साल की सबसे बड़ी हिट्स में से एक है, जिसने कई भाषाओं में मिलियंस व्यूज बटोरे हैं और इंस्टाग्राम रील्स पर इसका जलवा कायम है। इस विजन को हकीकत में बदलने के लिए, मेकर्स ने एक भव्य स्लम एम्पायर का सेट तैयार किया, जिसमें हीरो को स्लम के सम्राट के रूप में दिखाया गया है। द पैराडाइज का टीजर जब से रिलीज हुआ है, इसे लेकर एक्साइटमेंट लगातार बढ़ती जा रही है। ऑडियंस की तरफ से इसे बहुत ही जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है और देखते ही देखते इसने ऑनलाइन मिलियंस में व्यूज बटोर लिए हैं। टीजर ने सोशल मीडिया पर काफी हलचल मचा दी है और फिल्म को लेकर लोगों की क्यूरियोसिटी को दोगुना कर दिया है। इसी बढ़ते क्रेच की वजह से द पैराडाइज इस साल की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। हाल ही में रिलीज हुए फिल्म द पैराडाइज के गाने आया शेर ने अपनी जबरदस्त एनर्जी और कमाल के विजुअल्स से लोगों को इम्प्रेस कर दिया है। इस गाने के इतने बड़े लेवल और असली दिखने के पीछे एक बड़ी वजह फिल्म के आर्ट डिपार्टमेंट की मेहनत है, जिन्होंने बहुत ही शानदार सेट्स तैयार किए। इन सेट्स में भव्यता के साथ–साथ असलियत का भी पूरा तालमेल बिठाया गया है। सबसे खास सेटअप्स में से एक हीरो हाउस (कमान सेट) है, यह 60 फीट चौड़ा, 45 फीट ऊँचा और 25 फीट गहरा एक विशाल स्ट्रक्चर है, जिसे खास तौर पर हीरो के दमदार डिप (कपच) वाले सीन के लिए बनाया गया था। शुरुआत में इसे 30 फीट चौड़ा बनाया गया था, लेकिन बाद में दोनों तरफ 15–15 फीट और बढ़ाकर इसकी चौड़ाई 60 फीट कर दी गई। लगभग 25 वर्कर्स ने करीब 20 दिनों तक मेहनत करके इस बड़े स्ट्रक्चर को तैयार किया, और इसे आसपास के माहौल के साथ एकदम असली दिखाने के लिए खास एजिंग (पुराना दिखाने की) तकनीक का इस्तेमाल किया गया। गाने में एक और अनोखी चीज देखने को मिली है, वो है बिरयानी के बड़े कटोरे जैसा स्ट्रक्चर। इसे तांबे की फिनिश और पुराना लुक दिया गया है ताकि ये एकदम असली और देसी लगे। 10 फीट चौड़ाई, 20 फीट रेडियस और 6 फीट ऊंचाई वाले इस सेटअप को 5–7 लोगों की टीम ने सिर्फ पांच दिनों में तैयार कर दिया था।

प्रोडक्शन के लेवल को और बड़ा बनाने के लिए 2.5 एकड़ में फैला वॉटर बॉडी विलेज सेट तैयार किया गया था, जिसमें डमी स्ट्रक्चर्स के बजाय 60 असली घर बनाए गए थे। लगभग 50 वर्कर्स ने 30 दिनों तक मेहनत करके इस गांव को बनाया, जिसे इस तरह डिजाइन किया गया था कि इसमें एक साथ करीब 500 लोग आ सकें। पानी का सीन क्रिएट करने के लिए 100 टैंकर पानी मंगवाया गया, जिसे भरने में सात दिन लगे। साथ ही, पानी जमा करने के लिए 20 फीट गहरा एक अलग तालाब भी बनाया गया था। प्रोडक्शन ने एक बहुत बड़ा डंप यार्ड सेट भी तैयार किया, जो 120 फीट लंबा, 50 फीट चौड़ा और 30 फीट ऊंचा था। 25 लोगों की टीम ने 30 दिनों की मेहनत से इसे बनाया, जिसका मकसद एक असली डंप यार्ड जैसा श्रस्टिकश और पुराना लुक देना था। इन सेट्स की सबसे बड़ी खूबी यह है कि इन्हें कुदरती माहौल को नुकसान पहुंचाए बिना बनाया गया। आर्ट डिपार्टमेंट ने बहुत सावधानी से इन स्ट्रक्चर्स को वहां की जमीन और नजारों के साथ जोड़ा। असलियत दिखाने के लिए नेचुरल टेक्सचर्स और श्एजिंगश (पुराना दिखाने की) तकनीक का जमकर इस्तेमाल किया गया। हर सेटअप की प्लानिंग बहुत बारीकी से की गई थी ताकि काम बिना किसी रुकावट के और क्रिएटिव तरीके से पूरा हो सके। सभी जरूरी मंजूरियां लेने के बाद ही फाइनल कंस्ट्रक्शन किया गया। इसका नतीजा आया शेर गाने में दिखने वाले शानदार विजुअल्स हैं, जो दर्शकों को उस भव्य और दमदार दुनिया की झलक दिखाते हैं जिसे द पैराडाइज बड़े पर्दे पर लाने का वादा करती है।

क्या वाकई विटामिन ई कैप्सूल चेहरे पर लगाना काफी फायदेमंद होता है? स्किन को सॉफ्ट बनाएं

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए हम सभी कई तरीके अपनाते हैं लेकिन उससे कुछ नहीं होता। स्किन में चमक लाने के लिए लोग पर्लर में जाकर महंगे–महंगे ट्रीटमेंट कराते हैं। हालांकि, विटामिन ई कैप्सूल लगाने से आपके चेहरे की त्वचा से जुड़ी कई दिक्कतों से छुटकारा मिल जाता है। इसके उपयोग से चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने में मदद मिलती है। लेकिन अधिकतर लोगों को यह जानकारी नहीं होती कि विटामिन ई कैप्सूल चेहरे पर कितनी देर लगाना चाहिए, चलिए आपको बताते हैं।

विटामिन ई कैप्सूल चेहरे पर कितनी देर लगाना चाहिए?

अच्छे परिणाम के लिए रातभर के लिए विटामिन ई कैप्सूल चेहरे पर लगा सकते हैं। इसका इस्तेमाल रात को करने से ऑयल त्वचा में अच्छे से अब्जॉर्ब हो पाता है। आप इसको 15 से 20 मिनट के लिए दिन में भी फेस पर लगा सकते हैं।

रोज चेहरे पर विटामिन ई कैप्सूल लगा सकते हैं क्या?

विटामिन ई कैप्सूल में कई फायदे होते हैं। हां, आप इसे रोजाना विटामिन ई कैप्सूल के अपने चेहरे पर लगा सकते हैं। इससे आपको कई लाभ मिलेंगे। लेकिन इसकी अधिक मात्रा न लगाएं।

चेहरे पर चमक लाए

त्वचा को ग्लोइंग व सॉफ्ट बनाने के लिए विटामिन ई कैप्सूल चेहरे पर लगाएं। यह त्वचा को नेचुरली चमकदार बनाता है।

जलन से आराम

चेहरे की त्वचा में अक्सर जलन को ठीक करने के लिए आप विटामिन ई कैप्सूल लगा सकते हैं। इसके एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण जलन से आराम मिलता हैं।

एंटी–एजिंग

चेहरे की त्वचा को खूबसूरत बनाए रखने के लिए विटामिन ई कैप्सूल मददगार हो सकता है। इसमें एंटी–एजिंग गुण होते हैं।

स्किन को सॉफ्ट बनाए

विटामिन ई कैप्सूल चेहरे पर लगाने से त्वचा का रुखापन दूर होता है और वह सॉफ्ट होती है। इसमें मॉश्चराइजिंग गुण होते हैं।

इस तरह से चेहरे पर विटामिन ई कैप्सूल लगाएं?

विटामिन ई कैप्सूल को चेहरे पर सीधे तौर पर लगा सकते हैं। अगर आप चाहें तो इसमें कुछ चीजों के साथ मिलाकर भी लगा सकते हैं। जैसे– कोकोनट ऑयल, दही, एलोवेरा जेल, बादाम का तेल, गुलाबजल इत्यादि।

बड़ी से बड़ी बीमारियों को मिनटों में दूर करेगा ये छोटा सा फल, बस रोजाना करें इसका सेवन

शहतूत गर्मियों में मिलने वाला बेहद स्वादिष्ट फलों में से एक है। इसे खाने के बहुत से फायदे हैं क्योंकि इसमें कई तरह के पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं जैसे के विटामिन्स ए, विटामिन सी, आयरन, पोटेशियम, फॉस्फोरस और एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे तत्व पाए जाते हैं। इसके सेवन करने से कई तरह की खतरनाक बीमारियों से बचा जा सकता है जिसमें इम्यूनिटी, कैंसर और मौसमी बीमारियां शामिल हैं। एसे में डॉक्टर्स भी रोजाना शहतूत का सेवन करने की सलाह देते हैं। ऐसे में आज हम आपको शहतूत खाने के फायदों के बारे में विस्तार से बताते हैं। आइए जानते हैं।

कोलेस्ट्रॉल रहेगा कंट्रोल

हमारी बॉडी में एक फैटी मॉलिक्यूल मौजूद है जिसे कोलेस्ट्रॉल कहा जाता है। कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने से हार्ट संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ जाता है। ऐसे में शहतूत का सेवन आपके बैड कोलेस्ट्रॉल को गुड कोलेस्ट्रॉल में बदलने में मदद कर सकता है।

कैंसर के लिए

शहतूत कैंसर जैसी बीमारियों से भी बचाने में कारगर होती हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट जैसे गुण होते हैं जो के इससे सुरक्षा प्रदान करने में काफी सहायक होते हैं। यही नहीं बल्कि इसमें पॉलीफेनोल्स और फ्लेवेनॉयड्स जैसे यौगिक भी मौजूद होते हैं, जो कैंसर सेल्स को कम करने में मदद करते हैं।

इम्यूनिटी होगी मजबूत

शहतूत इम्यूनिटी को बूस्ट करने के लिए काफी मददगार साबित होते हैं। वहीं इसमें पाया जाने वाला विटामिन सी इम्यूनिटी को और भी मजबूती देने में मदद करता है।

डायबिटीज रहेगी कंट्रोल

डायबिटीज रोगियों के लिए यह फल बहुत फायदेमंद माना जाता है। शहतूत में मौजूद प्लाज्मा शरीर में ग्लूकोज के लेवल को बढ़ाता है, जिससे इंसुलिन रेजिस्टेंस कम होता है। अगर आप शहतूत को खाने या इसका जूस का सेवन करते हैं तो आपको टाइप 2 डायबिटीज से बचाव किया जा सकता है।

ये 6 राशियां जन्म से ही होती हैं लकी, इनके जीवन में हमेशा रहता है सुख-संपत्ति

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुल 12 राशियां होती हैं, जो किसी व्यक्ति के स्वभाव, व्यक्तित्व, जीवन की दिशा और भविष्य को प्रभावित करती हैं। माना जाता है कि किसी भी व्यक्ति का जन्म होते ही उसके ग्रह–नक्षत्रों के आधार पर भाग्य का निर्धारण भी हो जाता है। अनुभवी ज्योतिषी कुंडली देखकर बता सकते हैं कि ग्रह और नक्षत्र कैसे फल देंगे और किस क्षेत्र में सफलता मिलेगी। कुछ लोगों की कुंडली में ऐसे योग बनते हैं जिन्हें राजयोग या भाग्यशाली योग कहा जाता है। ऐसे लोग जन्म से ही भाग्यशाली माने जाते हैं और उनका जीवन अपेक्षाकृत सरल और सुखद होता है। आज हम उन राशियों के बारे में जानेंगे, जिन्हें ज्योतिष शास्त्र में विशेष रूप से भाग्यशाली माना गया है।

वृषभ राशिः (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो)

वैदिक ज्योतिष में वृषभ राशि का स्थान दूसरा है और इसका स्वामी शुक्र ग्रह है। शुक्र ग्रह को सुंदरता, धन–संपत्ति, प्रेम और ऐश्वर्य का प्रतीक माना गया है। वृषभ राशि के लोग जन्म से ही आर्थिक रूप से स्थिर और सुखी जीवन जीते हैं। इनके जीवन में अक्सर ऐसे मौके आते हैं जिनसे वे आसानी से धन कमा पाते हैं और उन्हें पैसों की कमी का सामना कम ही करना पड़ता है।

कर्क राशिः (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

कर्क राशि राशि चक्र में चौथे स्थान पर आती है और इसे बहुत भाग्यशाली माना जाता है। इस राशि के लोगों पर मां लक्ष्मी की कृपा हमेशा बनी रहती है। इन्हें अक्सर वह सब आसानी से मिल जाता है, जिसकी वे चाह रखते हैं। कई बार ये बिना ज्यादा प्रयास के भी सफल हो जाते हैं और जीवन में आर्थिक और सामाजिक स्थिरता बनी रहती है।

सिंह राशिः (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

सिंह राशि के जातक जन्म से ही नेतृत्व क्षमता के धनी होते हैं। ये लोग शेर जैसी मानसिकता और आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ते हैं। इन्हें धन कमाने और अपने क्षेत्र में सफल होने में किसी तरह की कठिनाई का सामना कम ही करना पड़ता है। इनका भाग्य अक्सर उनके साथ रहता है और ये जीवन में कई बार भाग्यशाली साबित होते हैं।

वृश्चिक राशिः (ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू)

वृश्चिक राशि मेहनती और तेज दिमाग वाले जातकों की मानी जाती है। ये लोग अपने कौशल और बुद्धिमानी से जीवन में सफलता की सीढ़ियां चढ़ते हैं। इन्हें मान–सम्मान और प्रसिद्धि मिलती रहती है, और ये कई बार अपने क्षेत्र में मिसाल बन जाते हैं।

तुला राशिः (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते)

तुला राशि के लोग जन्म से ही राजयोग का लाभ उठाते हैं। इन्हें जीवन में चीजें आसानी से मिल जाती हैं और जो भी काम वे हाथ में लेते हैं, उसमें सफलता मिलती है। ये बुद्धिमान और मेहनती होते हैं और इनके जीवन में धन और सुख–सुविधाओं की कमी नहीं रहती।

कुंभ राशिः (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा)

कुंभ राशि के जातक भी जन्म से ही किस्मत के धनी माने जाते हैं। इन्हें राजयोग का साथ मिलता है और ये अपने प्रयासों में हमेशा सफल होते हैं। ये शांत, सकारात्मक और दूरदर्शी स्वभाव के होते हैं। इनके जीवन में सुख–सुविधाओं की कोई कमी नहीं होती और उनका भाग्य हमेशा उनके साथ रहता है। ज्योतिष के अनुसार ये छह राशियां जन्म से ही भाग्यशाली मानी जाती हैं। इन राशियों के लोग जीवन में आर्थिक स्थिरता, सामाजिक सम्मान और सुख–शांति का आनंद आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि मेहनत और सही दिशा में प्रयास करना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन ये राशियां अक्सर अपने भाग्य की वजह से भी कई मामलों में लाभान्वित होती हैं।

अच्छी नींद के लिए सोने से पहले पानी मिलाकर इन चीजों का करें सेवन, पेट भी रहेगा ठीक

शरीर के अच्छे स्वस्थ के लिए बेहतर और गहरी नींद होना अवाश्यक है। यह मनसिक स्वस्थ के लिए जरुरी होता है, वहीं शरीर को स्वस्थ रखने में भी प्रभावी होता है। आजकल लोगों को अच्छी नींद नहीं आतू है। ऐसे में आप गुनगुने पानी के साथ कुछ चीजों को फांककर सो सकते हैं। इससे पेट या फिर शरीर में होने वाली परेशानियों को कम किया जा सकता है, जिससे शरीर को रेलैक्स मिलता है। ऐसे में आपको अच्छी और गहरी नींद आएगी।

गुनगुने पानी के साथ अजवाइन का सेवन करें

अक्सर पेट में गैस और अपच की शिकायत की वजह से अच्छी और गहरी नींद नहीं आती है। ऐसे में आपको रात में सोने से पहले गुनगने पानी के साथ अजवाइन का सेवन करना चाहिए। इससे पेट को ठीक करके आपके नींद को बेहतर करता है। साथ ही गैस और अपच से भी राहत दिला सकता है।

गुनगुने पानी के साथ सौंफ का सेवन करें

रात के समय सोने से पहले 1 चम्मच सौंफ फांक लें। इससे शरीर में ब्लड सर्कुलेशन अच्छा होगा। साथ ही आपका गट हेल्थ भी इम्प्रूव होगा, जो आपकी नींद को लाने में प्रभावी हो सकता है। अगर आप अच्छी और गहरी नींद लाना चाहते हैं, तो इसे मिश्रण का सेवन जरूर करें।

गुनगुना पानी और काला नमक के फायदे

अच्छी नींद के लिए गुनगुने पानी के साथ काला नमक खाएं। यह पाचन की गड़बड़ी को ठीक करने के साथ–साथ नींद को भी बेहतर कर सकता है। इससे पेट में होने वाला दर्द भी ठीक हो जाएगा। इसके साथ ही आपकी बॉडी को रिलैक्स करने में प्रभावी होता है।

गुनगुना पानी और सौंठ का पाउडर

रात को सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ 1 चम्मच सौंठ का पाउडर फांक लें। वहीं इससे कब्ज से राहत पाने में मदद मिलती है। साथ ही यह आपकी नींद को बेहतर करने में प्रभावी होता है। इससे शरीर को रिलैक्स मिलता है, जिससे नींद को बेहतर करने में मदद मिलती है।

त्रिफला चूर्ण का सेवन और गुनगुना पानी

अच्छी नींद के लिए गुनगुने पानी के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन करें। त्रिफला चूर्ण में तीन जड़ी–बूटियां मौजूद होती हैं, जो आपके शरीर को विकसित करेगी। यह नींद को बेहतर कर सकता है। साथ ही पाचन के लिए काफी अच्छा हो सकता है। बेहतर नींद के लिए और पाचन गड़बड़ी ठीक हो, तो रात को सोने से पहले गुनगुने पानी के साथ त्रिफला चूर्ण का सेवन करें।

हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने से लेकर त्वचा को चमकदार बनाने तक, सेहत को कई लाभ प्रदान करते हैं आलूबुखारे

गर्मियों के महीनों में मीठे–तीखे स्वाद वाले आलूबुखारे का सेवन करना काफी फायदेमंद माना जाता है। ये कई स्वास्थ्य लाभों से भरपूर होता है। इसमें एंटीऑक्सिडेंट और फाइबर समेत आवश्यक पोषक तत्व भरे होते हैं, जो गर्मियों में हमारी सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं। पाचन स्वास्थ्य का समर्थन करने से लेकर हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा देने और त्वचा की चमक बढ़ाने तक आलूबुखारे सेहत को कई अनगिनत स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। चलिए गर्म दिनों में आलूबुखारे खाने के फायदों के बारे में जानते हैं।

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर– आलूबुखारे फेनोलिक यौगिकों और विटामिन सी सहित एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो ऑक्सीडेटिव तनाव से निपटने और हृदय रोग, कैंसर और मधुमेह जैसी पुरानी बीमारियों के खतरे को कम करने में मदद करते हैं।

पाचन स्वास्थ्य में सुधार– आलूबुखारे में घुलनशील और अघुलनशील दोनों प्रकार के फाइबर पाए जाते हैं, जो पाचन में सहायता करते हैं। ये कब्ज को रोकते हैं और नियमित मल त्याग को बढ़ावा देते हैं। इतना ही नहीं ये फाइबर स्वस्थ आंत माइक्रोबायोम को बनाए रखने में भी मदद करते हैं।

हृदय स्वास्थ्य– आलूबुखारे में एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर मौजूद होते हैं, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर और सूजन को कम करते हैं। ये रक्त वाहिका कार्य में सुधार करते है और हृदय स्वास्थ्य में योगदान देते हैं। बता दें, आलूबुखारे के नियमित सेवन से हृदय रोग के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है।

हड्डियों का स्वास्थ्य– आलूबुखारे में विटामिन के, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे आवश्यक पोषक तत्व होते हैं। ये सभी पोषक तत्व हड्डियों के स्वास्थ्य को बनाए रखने और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने के लिए महत्वपूर्ण होते हैं। इसलिए हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए डाइट में आलूबुखारे को शामिल करें।

रक्त शर्करा नियंत्रण– आलूबुखारे में प्राकृतिक मिठास होती है, लेकिन बावजूद इसके इसमें ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है। ये रक्त शर्करा के स्तर में धीरे–धीरे वृद्धि करते हैं। इसलिए इन्हें डायबिटीज के लोगों के लिए फायदेमंद माना जाता है।

वजन नियंत्रण– आलूबुखारे में कैलोरी कम और फाइबर अधिक होता है, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखता है। इस तरह ये वजन नियंत्रित करने में मदद करता है। जो लोग अपना वजन कम करने की कोशिश कर रहे हैं वो गर्मियों की डाइट में इसे शामिल कर सकते हैं।

त्वचा का स्वास्थ्य– आलूबुखारे में विटामिन सी की मात्रा कोलेजन उत्पादन में योगदान करती है, जो त्वचा की लोच बनाए रखने में मदद करती है और उम्र बढ़ने के संकेतों को रोकती है। इसके अलावा आलूबुखारे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट त्वचा को मुक्त कणों और यूवी विकिरण से होने वाले नुकसान से बचाते हैं।

संक्षिप्त

बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद म्यूचुअल फंड में बढ़ा निवेश

मुंबई,एजेंसी। फरवरी महीने में म्यूचुअल फंड्स में निवेश बढ़ा है। कुल एयूएम यानी एसेट्स मैनेजमेंट बढ़कर 82 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ने उद्योग के ताजे आंकड़े पेश किए हैं। इसके अनुसार पिछले महीने में इक्विटी फंड्स में कुल निवेश 25,965 करोड़ रुपये रहा है, जो जनवरी महीने के 24,013 करोड़ रुपये के निवेश से 8.2 प्रतिशत अधिक रहा है। वहीं एयूएम की बात करें तो यह महीने के आधार पर 1.3 प्रतिशत बढ़कर 81.01 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। जानकारों का कहना फरवरी के म्यूचुअल फंड्स के आंकड़ों की सबसे विशेष बात यह है कि बाजार में लगातार उतार–चढ़ाव के बावजूद भी इक्विटी में इनफ्लो बना हुआ है। निवेश उन सेगमेंट की ओर रुख कर रहे हैं, जहां गिरावट आई थी, अब उन्हें रिलेटिव वैल्यू दे रहे हैं। जबकि गोल्ड ईटीएफ में जहां जनवरी में रिकॉर्ड इनफ्लो देखा गया था, वहां नरमी आई है। आंकड़ों से पता चलता है कि निवेशकों के रुझान में लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप फंड्स में निवेश बढ़ा है, लेकिन हाइब्रिड फंड्स में निवेश कम हो रहा है। गोल्ड ईटीएफ को लेकर निवेशकों का उत्साह कम होता दिखाई दिया है। देखा जाए तो फरवरी में म्यूचुअल फंड डेटा से इक्विटी में लगातार निवेश और मजबूत लिक्विडिटी निवेश के साथ ईटीएफ और गोल्ड फंड में गिरावट आई है। पिछले महीने गोल्ड ईटीएफ की बात करें तो इसमें 4,487 करोड़ रुपये का निवेश आया जबकि जनवरी में 15,006 करोड़ रुपये के इनफ्लो से काफी कम रहा है। साथ ही गोल्ड ईटीएफ को लेकर भी निवेशकों का रुझान फीका पड़ा है और जनवरी में 24,040 करोड़ रुपये के इनफ्लो की तुलना में फरवरी में यह तेजी से घटकर 5,255 करोड़ रुपये रह गया। सिस्टेमेटिक इवेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) का योगदान 29,845 करोड़ रुपये रहा, जो सिस्टमैटिक और डिसिप्लिन्ड इन्वेस्टिंग में निवेशकों के लगातार भरोसे को दिखाता है। हाल के महीनों की तुलना में थोड़ी कमी मुख्य रूप से फरवरी के छोटे महीने होने के कारण है, जिसमें महीने के आखिर में कुछ एसआईपी इंस्टॉलमेंट आमतौर पर मार्च की शुरुआत में प्रोसेस हो जाती हैं। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी वेंकट चलसानी ने बताया कि फरवरी के आंकड़े म्यूचुअल फंड्स उद्योग की लगातार स्थिरता और लचीलेपन को दर्शाता है, जिससे एसेट्स अंडर मैनेजमेंट बढ़कर 82.03 लाख करोड़ रुपये हो गया। इक्विट फंड्स ने महीने के दौरान 27,978 करोड़ रुपये का कुल इनफ्लो दर्ज किया, जो कि लगातार 60वां महीना है, जब सकारात्मक इनफ्लो बना हुआ है। यह बाजार में लगातार उतार–चढ़ाव होने के बावजूद बढ़त बनाए हुए है। यह निवेशकों की मजबूत भागीदारी को दर्शाता है, जिसमें मजबूत तिमाही कॉरपोरेट आय और घरेलू और विदेशी संस्थागत निवेशकों के लगातार इनफ्लो से बाजार को सहारा मिला। आईक्रेड मनी के म्यूचुअल फंड्स के सीईओ नितिन अग्रवाल ने कहा म्यूचुअल फंड्स आंकड़ों की सबसे खास बात यह है कि मार्केट में लगातार उतार–चढ़ाव के बाद भी इक्विटी में इनफ्लो बना हुआ है। फ्लैक्सी कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप जैसी कैटेगरी में अच्छा अलोकेशन बना रहा है, यह इस बात के संकेत देता है कि निवेशक उन सेगमेंट में जा रहे हैं, जहां गिरावट आई थी और अब वे रिटेटिव वैल्यू दे रहे हैं। गोल्ड ईटीएफ जहां जनवरी 2026 में रिकॉर्ड इनफ्लो देखा गया था, वहां नरमी आई है। इससे पता चलता है कि वहां डिफेंसिव पोजिशन कुछ कम हो रही है, इक्विटी लंबे समय में पैसा बनाने के पसंदीदा तरीके के तौर पर अपनी अपील वापस पा रही है।

भारत के सबसे बड़े बिटकॉइन घोटाले में पहली गिरफ्तारी

नई दिल्ली,एजेंसी। सीबीआई ने 20,000 करोड़ के गेन बिटकॉइन क्रिप्टो घोटाले में डार्विन लैब्स के सह–संस्थापक को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी के मुताबिक, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकॉइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने लगभग 20,000 करोड़ के बहुचर्चित गेन बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी घोटाले में बड़ी कार्रवाई की है। एजेंसी ने डार्विन लैब्स के सह–संस्थापक आयुष वार्ष्णेय को गिरफ्तार कर लिया है। अधिकारियों ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। सीबीआई के अनुसार, वार्ष्णेय इस मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल हैं। एजेंसी ने उनके खिलाफ पहले ही लुक आउट सर्कुलर जारी कर रखा था। सोमवार को जब वह देश छोड़कर भागने की कोशिश कर रहे थे, तब मुंबई एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी होने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। इसके बाद मंगलवार को उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। जांच एजेंसी के मुताबिक, डार्विन लैब्स ने उस डिजिटल ढांचे को तैयार किया था, जिस पर कथित तौर पर चल रहे गेन बिटकॉइन घोटाले की पूरी तकनीकी प्रणाली आधारित थी। जांच में डार्विन लैब्स प्राइवेट लिमिटेड और इसके सह–संस्थापकों आयुष वार्ष्णेय, साहिल बघला और निकुंज जैन की भूमिका सामने आई है। निकुंज जैन वर्तमान में वाओमी एआई के फाउंडर और चीफ कैपिटल ऑफिसर भी हैं। सीबीआई का आरोप है कि इन लोगों ने मिलकर एमसीएपी नामक क्रिप्टो टोकन और उससे जुड़े ERC–20 स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट को डिजाइन और विकसित किया था, जिसका इस्तेमाल इस कथित क्रिप्टो पोंजी स्कीम में किया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि डार्विन लैब्स ने कई महत्वपूर्ण डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किए थे, जिनमें GBMiners.com नामक बिटकॉइन माइनिंग पूल प्लेटफॉर्म, बिटकॉइन पेमेंट गेटवे, कॉइन बैंक बिटकॉइन वॉलेट और गेन बिटकॉइन वेबसाइट शामिल हैं।

फ्लाइट नहीं मिली तो ट्रेन की अपर बर्थ पर मुंबई पहुंचे, पहचान छिपाने के लिए ओढ़ी कंबल

मुंबई,एजेंसी। भारतीय टीम ने अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब अपने नाम किया। इस मुकाबले में भारतीय ऑलराउंडर शिवम दुबे ने आखिरी ओवर में शानदार बल्लेबाजी करते हुए टीम का स्कोर 250 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। लंबे कद के इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 20वें ओवर में तीन चौके और दो छक्के जड़कर टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शक दुबे–दुबे के नारों से गूंज उठे, लेकिन मैच खत्म होने के कुछ ही घंटों बाद दुबे का सफर बिल्कुल अलग अंदाज में शुरू हुआ। फाइनल के बाद अधिकतर खिलाड़ी और स्टाफ फ्लाइट से अपने–अपने शहरों के लिए रवाना हुए, लेकिन दुबे को मुंबई के लिए कोई फ्लाइट नहीं मिल पाई। ऐसे में उन्होंने ट्रेन से यात्रा करने का फैसला किया। दुबे ने इंडियन एक्सप्रेस से बातचीत में कहा, मुंबई के लिए कोई फ्लाइट उपलब्ध नहीं थी, इसलिए मैंने सुबह जल्दी अहमदाबाद से ट्रेन पकड़ने का फैसला किया। हम सड़क से भी जा सकते थे, लेकिन ट्रेन ज्यादा तेज विकल्प था। दुबे अपनी पत्नी अंजुम और एक दोस्त के साथ अहमदाबाद–मुंबई सायाजी एक्सप्रेस की एसी 3–टियर बोगी में सवार हुए। दुबे जानते थे कि वर्ल्ड कप जीतने के तुरंत बाद अगर लोग उन्हें पहचान लेते तो स्टेशन या ट्रेन में भारी भीड़ जुट सकती थी। इसलिए उन्होंने पहचान छिपाने के लिए खास योजना बनाई। उन्होंने बताया, मैं, मेरी पत्नी और एक दोस्त ट्रेन से जाने का फैसला किया। एसी 3–टियर की टिकट मिली, तो हमने वही बुक कर ली। परिवार और दोस्तों को चिंता थी कि कहीं स्टेशन या ट्रेन में किसी ने पहचान लिया तो क्या होगा। इस दौरान उन्होंने कैप, मास्क और फुल स्लीव टी–शर्ट पहनकर खुद को छिपाने की कोशिश की। सुबह 5:10 बजे ट्रेन रवाना होने वाली थी। दुबे को उम्मीद थी कि प्लेटफॉर्म

पर ज्यादा भीड़ नहीं होगी, लेकिन वहां कई क्रिकेट फैंस मौजूद थे, जिनमें कुछ भारत की जर्सी पहने हुए भी थे। इस स्थिति को देखते हुए उन्होंने अपनी योजना थोड़ी बदल दी। दुबे ने कहा, मैंने पत्नी से कहा कि मैं ट्रेन छूटने से पांच मिनट पहले तक कार में ही इंतजार करूंगा। फिर अचानक दौड़कर ट्रेन में चढ़ जाऊंगा। ट्रेन में चढ़ते ही दुबे सीधे अपनी सीट की अपर बर्थ पर पहुंच गए और रेलवे के भूरे कंबल में खुद को ढक लिया।

सफर के दौरान एक दिलचस्प पल तब आया जब टिकट चेकर टिकट जांचने पहुंचा। दुबे ने बताया, टीसी ने पूछा, शिवम दुबे? वो कौन है, क्रिकेटर? मेरी पत्नी अंजुम ने तुरंत जवाब दिया– नहीं–नहीं, वो यहां कहां से आएगा। इसके बाद टीसी आगे बढ़ गया।ट इस घटना के बाद दुबे ने राहत की सांस ली और करीब आठ घंटे के सफर में ज्यादा समय सोकर ही बिताया। ट्रेन यात्रा के दौरान किसी ने उन्हें पहचान नहीं पाया, लेकिन मुंबई पहुंचते समय दुबे को थोड़ा डर था कि दिन के उजाले में स्टेशन पर भीड़ जुट सकती है। उन्होंने कहा, रात में मैं बर्थ से नीचे उतरा और वॉशरूम तक गया, लेकिन किसी ने पहचाना नहीं। सफर अच्छा रहा, लेकिन बोरीवली स्टेशन पर उतरते समय मुझे थोड़ा डर लग रहा था। आखिरकार उन्होंने पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने उन्हें सुरक्षित बाहर निकालने में सहायता की। दुबे ने हंसते हुए कहा, श्पुलिस को लगा कि मैं एयरपोर्ट पर उतर रहा हूं, लेकिन जब मैंने बताया कि मैं ट्रेन से आ रहा हूं तो वे भी हैरान रह गए।

टी20 विश्व कप में दुबे का प्रदर्शन शानदार रहा। कप्तान सूर्यकुमार यादव और कोच गौतम गंभीर ने उन्हें टीम में खास भूमिका दी थी। दुबे ने पूरे टूर्नामेंट में 39 की औसत और 169 के स्ट्राइक रेट से 235 रन बनाए। निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 17 छक्के और 15 चौके लगाए। फाइनल में उनकी आठ गेंदों में 26 रन की पारी काफी अहम साबित हुई। दुबे ने कहा, मुझसे कहा गया था कि जब मैं बल्लेबाजी करूं तो रन रेट कभी कम न होने दूं और गेंदबाजी करते समय विपक्षी टीम को ज्यादा रन न बनाने दूं। आखिरकार दोपहर तक दुबे मुंबई स्थित अपने घर पहुंच गए। वहां उनके चार साल के बेटे अयान और दो साल की बेटी मेहविश उनका इंतजार कर रहे थे। विश्व कप जीतने के बाद ट्रेन की अपर बर्थ पर छिपकर घर लौटने वाला यह सफर उनके लिए हमेशा यादगार रहेगा। वर्ल्ड कप हीरो घर पहुंच चुका था, लेकिन रेलवे का वह भूरा कंबल ट्रेन में ही रह गया।

साहिबजादा को पीछे छोड़ नंबर-2 बने ईशान किशन, सैमसन को 18 स्थानों का फायदा, वरुण से छिनी बादशाहत

दुबई,एजेंसी। टी20 विश्वकप 2026 में भारत की ऐतिहासिक जीत के बाद अब आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भी दिखाई देने लगा है। कप्तान सूर्यकुमार यादव की अगुवाई में भारत ने अहमदाबाद में फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराकर लगातार दूसरा और कुल तीसरा टी20 विश्व कप खिताब अपने नाम किया। इस शानदार अभियान के बाद आईसीसी की ताजा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाज रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों को बड़ा फायदा हुआ है। खास तौर पर युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने बल्लेबाजों में शीर्ष स्थानों पर कब्जा जमा लिया है। बाएं हाथ के आक्रामक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की रैंकिंग में पहले स्थान पर बरकरार हैं। उन्होंने टी20 विश्व कप फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ तेज अर्धशतक लगाकर अपनी बादशाहत कायम रखी। अभिषेक फाइनल में भारत के लिए बेहद अहम खिलाड़ी साबित हुए और उनकी विस्फोटक बल्लेबाजी ने टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। वह पिछले काफी समय से नंबर–1 टी20 बल्लेबाज बने हुए हैं।

टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन करने वाले ईशान किशन को भी बड़ा फायदा मिला है। बाएं हाथ के इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने टूर्नामेंट में कुल 317 रन बनाकर शानदार छाप छोड़ी। इसी प्रदर्शन की बदौलत वह आईसीसी रैंकिंग में दो स्थान ऊपर चढ़कर दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। ईशान ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की और अब वह अभिषेक शर्मा से सिर्फ चार रेटिंग अंक पीछे हैं। इस तरह भारतीय टीम के दो बल्लेबाज अब टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में पहले और दूसरे स्थान पर काबिज हैं, जो टीम की बल्लेबाजी ताकत को दर्शाता है। टी20 बल्लेबाजों में शीर्ष 10 में अभिषेक और ईशान के अलावा तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव हैं। तिलक को एक स्थान का नुकसान हुआ और वह सातवें स्थान पर पहुंच गए। वहीं, सूर्यकुमार दो स्थान के नुकसान के साथ नौवें पायदान पर पहुंच गए। टी20 बल्लेबाजों में तीसरे स्थान पर पाकिस्तान साहिबजादा फरहान हैं, जबकि चौथे स्थान पर इंग्लैंड के फिल सॉल्ट हैं। पांचवें स्थान पर श्रीलंका के पथुम निसांका हैं।संजू सैमसन ने 18 स्थानों की छलांग लगाई और 18 पायदान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर पहुंच गए। टी20 विश्व कप में दमदार प्रदर्शन करने वाले अन्य खिलाड़ियों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। न्यूजीलैंड के टिम साइफर्ट चार स्थान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गए हैं। वहीं इंग्लैंड के युवा बल्लेबाज जैकब बेथल ने 17 स्थान की बड़ी छलांग लगाते हुए 16वां स्थान हासिल किया।

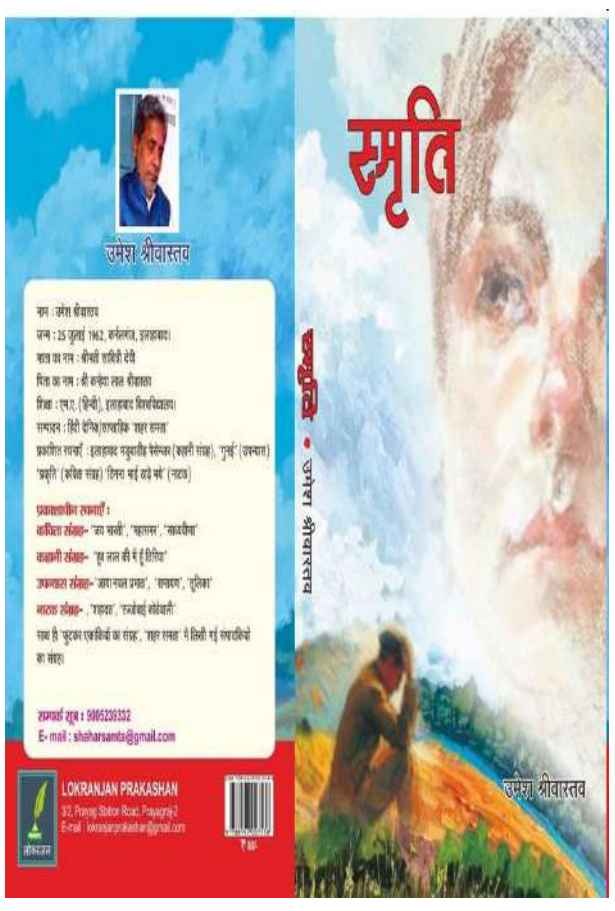

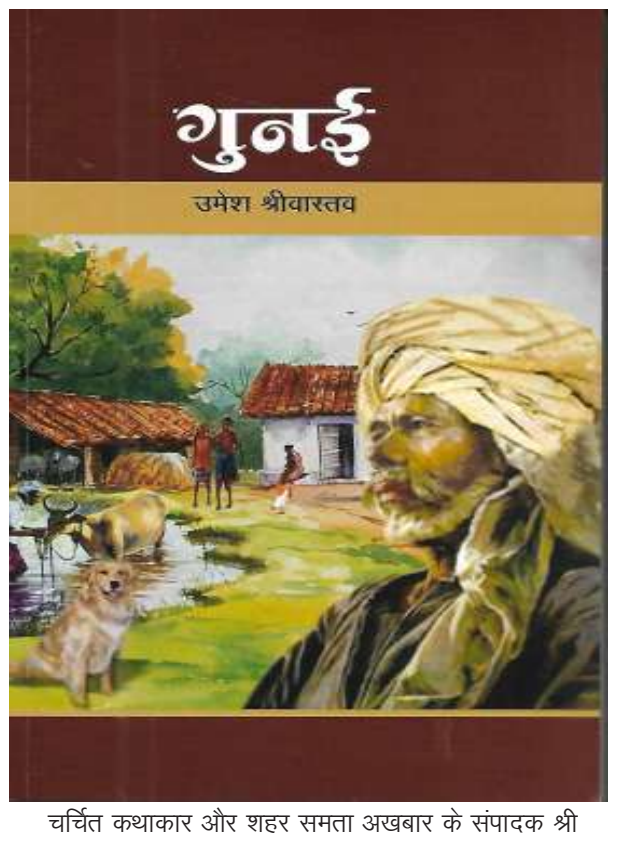

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

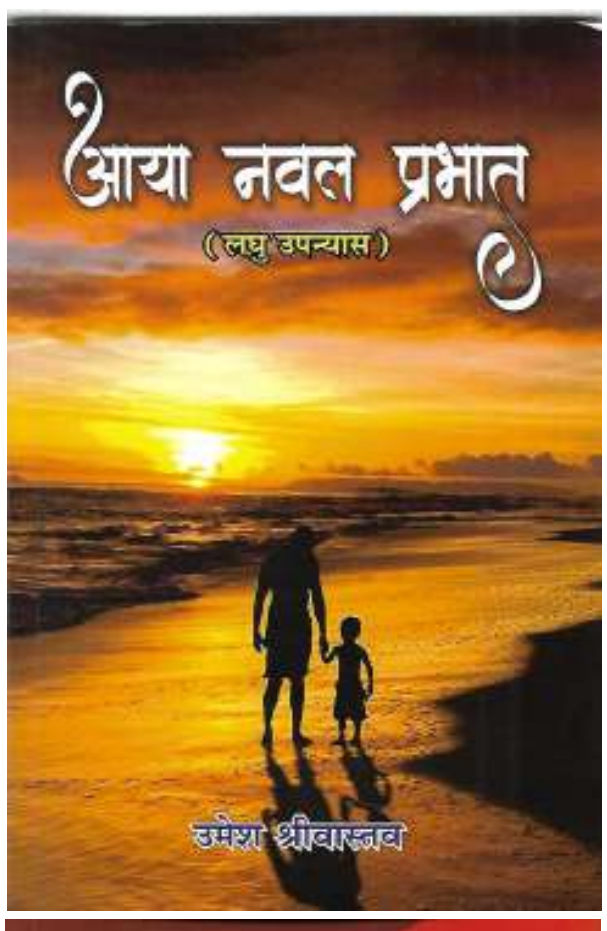

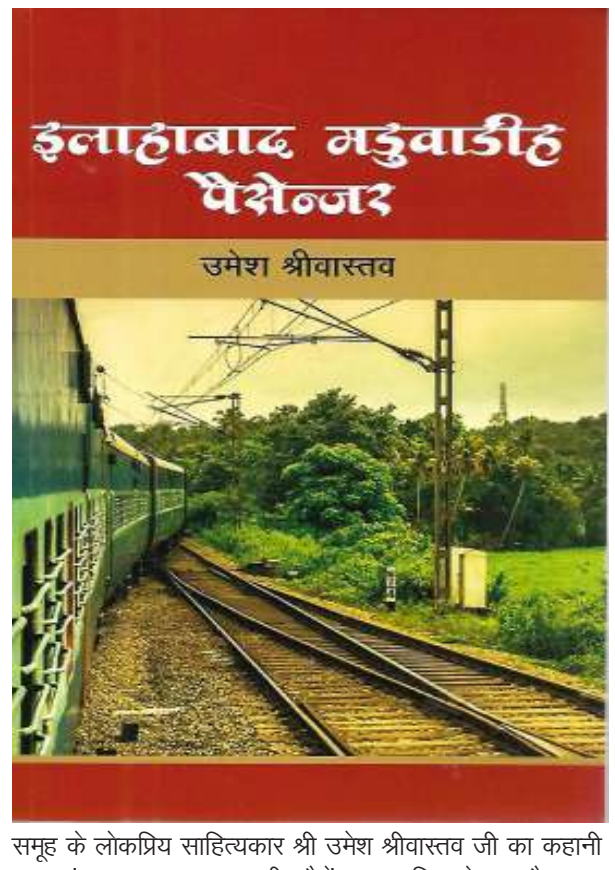

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

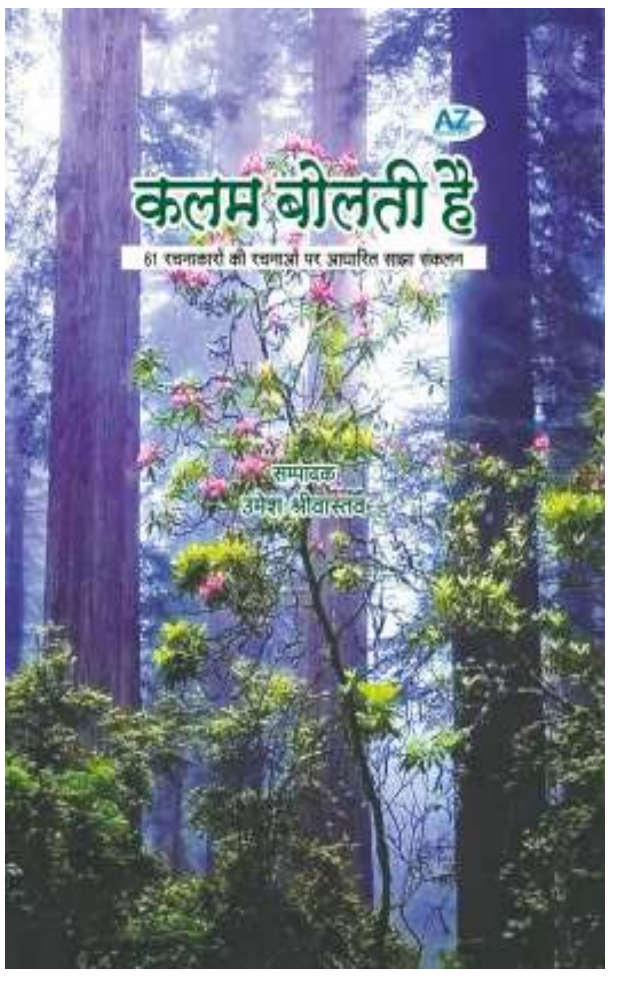

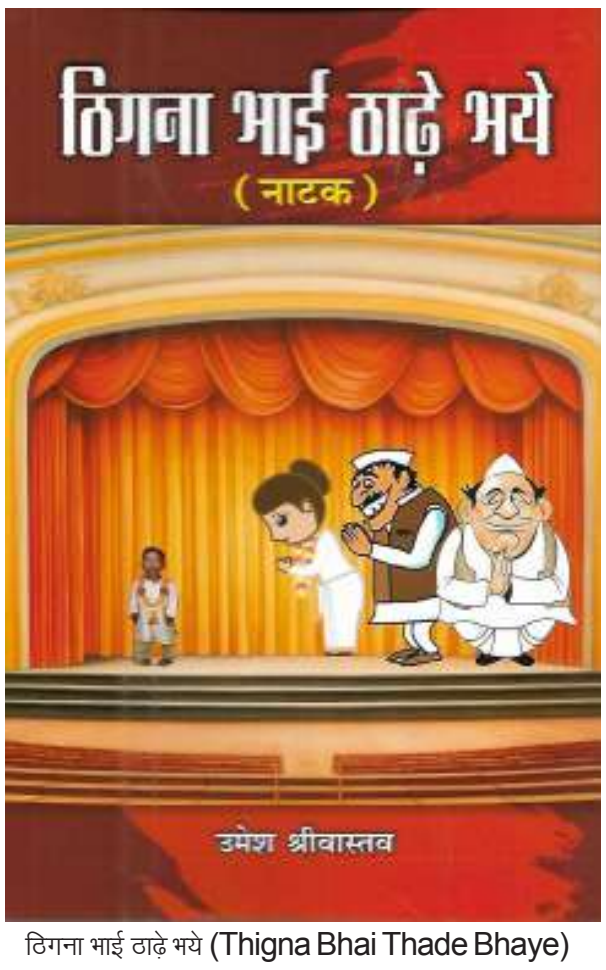

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

हम पर हमला हो रहे, ऐसे में मध्यस्थ नहीं बन सकते', ईरान के हमलों के बीच कतर का बड़ा बयान

दोहा,एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच कतर ने साफ कहा है कि मौजूदा हालात में वह ईरान और पश्चिमी देशों के बीच मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकता। कतर का कहना है कि जब वह खुद हमलों का सामना कर रहा है, तब इस तरह की जिम्मेदारी निभाना संभव नहीं है। कतर के विदेश मामलों के राज्य मंत्री मोहम्मद बिन अब्दुलअजीज अल–खुलैफी ने कतर द्वारा एक साक्षात्कार में यह बात कही।

अल–खुलैफी ने कहा कि कतर और ओमान लंबे समय से ईरान और पश्चिमी देशों के बीच संवाद स्थापित करने की कोशिश करते रहे हैं। इन प्रयासों का मकसद क्षेत्र में तनाव कम करना और बातचीत के रास्ते खोलना था। उन्होंने कहा हम पर हमले हो रहे हों तो हम मध्यस्थ की भूमिका नहीं निभा सकते। ईरान को यह समझने की जरूरत है। क्षेत्र के देश ईरान के दुश्मन नहीं हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि ईरान इस बात को नहीं समझ रहा। इसी बीच कतर ने बुधवार सुबह अपने नागरिकों को संभावित ईरानी हमले को लेकर सतर्क रहने की चेतावनी दी। एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार के अनुसार, राजधानी दोहा में कई धमाकों की आवाज सुनी गई। बताया गया कि हवाई सुरक्षा प्रणाली ने शहर के ऊपर आने वाली मिसाइलों को रोकने के लिए कार्रवाई की। वहीं दुबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सबी) के पास दो ड्रोन गिराए जाने की घटना सामने आई है। इस घटना में एक भारतीय नागरिक सहित कुल चार लोग घायल हो गए। दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने एयरपोर्ट के आसपास उड़ रहे दो ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद ये ड्रोन एयरपोर्ट के पास गिर गए, जिससे आसपास मौजूद लोगों को चोटें आईं।

यूएन में ईरानी राजदूत के गंभीर आरोप: कहा– इस्राइल ने बेरुत में चार राजनयिकों की हत्या की, नागरिकों पर भी हमले

न्यूयॉर्क, एजेंसी। ईरान के संयुक्त राष्ट्र में राजदूत अमीर–सईद इरावानी ने आरोप लगाया है कि इस्राइल सरकार ने लेबनान की राजधानी बेरूत में चार वरिष्ठ ईरानी राजनयिकों की हत्या की। उन्होंने इसे जघन्य अपराध करार दिया है।

राजदूत ने यूएन महासचिव एंटोनियो गुटेरेस को लिखे पत्र में बताया कि 8 मार्च को रामादा होटल पर इस्राइल ने टारगेटेड स्ट्राइक की, जिसमें राजनयिक मारे गए। उन्होंने कहा कि इससे पहले आईडीएफ ने सार्वजनिक रूप से ईरानी अधिकारियों को निशाना बनाने की धमकी दी थी, इसलिए राजनयिकों को सुरक्षा कारणों से होटल में अस्थायी रूप से रखा गया था। ईरानी राजदूत ने पत्र में कहा राजनयिकों की हत्या, जबकि वे एक संप्रभु राज्य के आधिकारिक प्रतिनिधि के रूप में दूसरे संप्रभु राज्य की सीमा में कार्यरत थे, आतंकवाद की घृणित कार्रवाई और अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन है। उन्होंने जोर दिया कि यह यूएन चार्टर और 1973 के अंतरराष्ट्रीय संरक्षित व्यक्तियों की सुरक्षा से संबंधित संधियों का घोर उल्लंघन है, जिसे अनदेखा नहीं किया जा सकता। ईरान के यूएन राजदूत ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इस्राइल जानबूझकर नागरिक और नागरिक अवसंरचना को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने कहा वे जानबूझकर और भेदभावपूर्वक मेरे देश के नागरिकों और नागरिक अवसंरचना पर हमला कर रहे हैं। अब तक इन अपराधों में 1,300 से अधिक नागरिक शहीद हो चुके हैं। 9,669 नागरिक स्थलों को नुकसान पहुंचा है, जिनमें 7,943 आवासीय घर, 1,617 वाणिज्यिक केंद्र, 32 चिकित्सा केंद्र, 65 स्कूल और 13 रेड क्रॉस भवन शामिल हैं।

ईरान के हमलों की 37वीं लहर: तेल अवीव के सैन्य ठिकानों पर तीन घंटों तक दागीं मिसाइलें, इस्राइली ने भी दिया जवाब

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले 12 दिनों से जारी संघर्ष दिन–ब–दिन और भयावह होता जा रहा है। इसी बीच ईरान की इस्लामिक रिवॉल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने अपने जारी प्रतिशोधी अभियान ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 की नई लहरें शुरू करने की घोषणा की है। आईआरजीसी ने बताया कि मंगलवार देर रात इसे लॉन्च किया गया और इसे 37वीं लहर कहा गया। इस हमले में तीन घंटे से ज्यादा समय तक लगातार कई प्रकार की मिसाइलें दागी गई, जिनमें सबसे भारी मिसाइलें भी शामिल थीं। आईआरजीसी के अनुसार इस बार के हमले में लक्ष्य इराक के कुर्दिस्तान में इरबिल, बहरीन में अमेरिकी नौसेना की फिफ्थ फ्लीट, इस्राइल में बे'एर याकोव और तेल अवीव के सैन्य केंद्र था। इसके साथ ही इन हमलों में खेबर शेकन, कद्र और खोर्रमशहर मिसाइलों का इस्तेमाल किया गया। इस्राइल की सेना ने जवाबी कार्रवाई की ईरान के इन हमलों के जवाब में इस्राइल ने भी करारा जवाब दिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

ईरान के साथ संघर्ष में 140 अमेरिकी सैनिक घायल, 8 की हालत गंभीर, पेंटागन ने जारी किया बयान

एजेंसी/ईरान के साथ जारी संघर्ष के दौरान अब तक लगभग 140 अमेरिकी सैनिक घायल हो चुके हैं। यह जानकारी अमेरिका के रक्षा विभाग पेंटागन ने दी है। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने ईमेल के जरिए जारी बयान में कहा कि घायल हुए सैनिकों में से अधिकांश को मामूली चोटें आई हैं और 108 सैनिक इलाज के बाद फिर से ड्यूटी पर लौट चुके हैं। हालांकि उन्होंने बताया कि आठ अमेरिकी सैनिक गंभीर रूप से घायल हैं और उनका इलाज जारी है। ईरान के साथ शुरू हुए 10 दिनों के संघर्ष के बाद अमेरिकी सैनिकों को हुए नुकसान को लेकर यह पहली विस्तृत जानकारी सामने आई है। जानकारी के मुताबिक ईरान की ओर से जवाबी कार्रवाई के तहत रॉकेट और ड्रोन से हमले किए गए थे। इन हमलों में कुवैत और सऊदी अरब में तैनात सात अमेरिकी सैनिकों की मौत भी हो चुकी है। ट्रंप को चिंता है कि ईरान होर्मुज स्ट्रेट में माइंस लगा रहा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके पास ईरान द्वारा अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में विस्फोटक लगाने की कोई रिपोर्ट नहीं है। लेकिन अगर तेहरान ने ऐसा किया है, तो हम चाहते हैं कि उन्हें तुरंत हटा दिया जाए! उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में लिखा, श्अगर किसी भी वजह से माइंस लगाई गईं, और उन्हें तुरंत नहीं हटाया गया, तो ईरान के लिए मिलिट्री नतीजे ऐसे होंगे जो पहले कभी नहीं देखे गए।श दुनिया का 20 फीसदी तेल व्यापार होर्मुज स्ट्रेट से होकर गुजरता है, जो अपने सबसे पतले पॉइंट पर यह सिर्फ 33 किलोमीटर चौड़ा है। उत्तर–पश्चिम लंदन के हैरो में होली मना रहे हिंदू समुदाय पर उपद्रवियों ने हमला किया है। कुछ लोगों ने लाउडस्पीकर तोड़े और लोगों पर हमला किया। ब्रिटिश सरकार ने घटना की कड़ी निंदा की है। सांसद बॉब ब्लैकमैन ने संसद में इस मुद्दे को उठाते हुए बताया कि उपद्रवियों ने लाउडस्पीकर तोड़कर उत्सव में खलल डाला। इस पर लीडर ऑफ द कॉमन्स एलन कैंपबेल ने दुख जताते हुए कहा कि धार्मिक घृणा किसी भी रूप में घृणित है और हमारे समाज में इसका कोई स्थान नहीं है। एक किशोर को गिरफ्तार किया गया है।

कनाडा में विपक्षी सांसद का शामिल होना पीएम कार्नी की लिबरल पार्टी को बहुमत के करीब ले आया

कनाडा में एक और विपक्षी सांसद लोरी इडलाउट ने प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की लिबरल पार्टी में शामिल होकर विपक्षी सदस्यों की संख्या कम कर दी है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कार्नी की पार्टी जल्द ही बहुमत सरकार बना सकती है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के अंतरिम नेता डॉन डेविस ने कहा कि उन्हें इडलाउट के लिबरल्स में शामिल होने पर बहुत निराशा हुई। लिबरल पार्टी को फायदा इस कदम से लिबरल्स 170 सांसदों तक पहुँच गए हैं। उन्हें बहुमत सरकार बनाने के लिए 172 सांसदों की जरूरत है। बहुमत मिलते ही पार्टी किसी भी बिल को विपक्षी समर्थन के बिना पास करा सकती है। पिछले कुछ महीनों में तीन कंजर्वेटिव सांसद भी लिबरल पार्टी में शामिल हो चुके हैं, क्रिस डीश्एंट्रीमोंट, माइकल मा और मैट जेनेरॉक्स। जेनेरॉक्स ने कहा कि कार्नी का डावोस में दिया गया भाषण उनके फैसले को प्रभावित करने वाला था, जिसमें कार्नी ने बड़े देशों द्वारा छोटे देशों पर आर्थिक दबाव का विरोध किया। आगामी चुनाव और रणनीति कार्नी ने तीन सीटों पर विशेष चुनाव कराने का फैसला किया है। अगर लिबरल्स में से दो सीटें जीतते हैं, तो पार्टी को बहुमत मिल जाएगा। इन सीटों में स्कारबोरो साउथवेस्ट, यूनिवर्सिटी–रोजडेल (टोरंटो क्षेत्र) और टेरेबॉर्न (मॉन्ट्रियल क्षेत्र) शामिल हैं।

एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की हार्ड लैंडिंग, फुकेट एयरपोर्ट पर परिचालन बाधित

एजेंसी/थाईलैंड के फुकेट हवाई अड्डे पर एअर इंडिया एक्सप्रेस के विमान की हार्ड लैंडिंग कराई गई। एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान– ।ग्ठ938 ने हैदराबाद से उड़ान भरी थी। विमान निर्धारित समय से पहले फुकेट हवाई अड्डे पर पहुंचा और लैंडिंग के समय खराबी आ गई। शुरुआती रिपोर्ट्स के मुताबिक विमान के लैंडिंग गियर को नुकसान पहुंचा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक विमान की लैंडिंग का निर्धारित समय 11: 40 बजे था, लेकिन यह 11:24 बजे ही उतार लिया गया। विमान में चालक दल के सात सदस्य, 131 यात्री और दो शिशु सवार थे। विमान की लैंडिंग के बाद लैंडिंग गियर में खराबी जिस विमान में खराबी आई है, इसका निर्माण बोइंग कंपनी ने किया है। बोइंग के 737–800 मॉडल के इस विमान की पंजीकरण संख्या टज्–ठफ है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि विमान की हार्ड लैंडिंग होने के कारण लैंडिंग गियर के साथ–साथ सामने वाले हिस्से में भी नुकसान पहुंचा है। नुकसान के कारण विमान को तुरंत रनवे से हटाया नहीं जा सका है। हार्ड लैंडिंग के समय विमान की गति तेज थी। राहत की बात ये रही कि विमान में सवार किसी को भी चोट नहीं लगी है। तकनीकी खराबी के बावजूद, सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। एयरमैन नोटिस जारी, रनवे अस्थायी रूप से बंद फुकेट हवाई अड्डे के अधिकारियों ने घटना की प्रारंभिक जांच शुरू कर दी है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने 12:08 बजे से शाम 6:00 बजे तक के लिए एयरमैन नोटिस (नोटम) जारी किया है। इसके तहत रनवे को अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की गई है। क्या होती है ।

विमान की हार्ड लैंडिंग? जहां सामान्य लैंडिंग के दौरान विमान की गति और जमीन से टकराने के दौरान लगने वाला दबाव एयरक्राफ्ट के डिजाइन के अनुकूल होता है तो वहीं हार्ड लैंडिंग के दौरान इसकी रफ्तार और जमीन से टकराव ज्यादा तेज और शक्तिशाली होता है। इस स्थिति में एयरक्राफ्ट का डिजाइन जमीन से टकराने के बाद दबाव को झेल नहीं पाता और इसकी बॉडी को नुकसान पहुंचता है।

दुबई एयरपोर्ट के पास हमले की कोशिश, सुरक्षा बलों ने नष्ट किए दो ड्रोन,एक भारतीय समेत चार घायल

दुबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच दुबई से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दुबई के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे (डीएक्सबी) के पास दो ड्रोन गिराए जाने की घटना सामने आई है। इस घटना में एक भारतीय नागरिक सहित कुल चार लोग घायल हो गए। दुबई मीडिया ऑफिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि सुरक्षा एजेंसियों ने एयरपोर्ट के आसपास उड़ रहे दो ड्रोन को मार गिराया। इसके बाद ये ड्रोन एयरपोर्ट के पास गिर गए, जिससे आसपास मौजूद लोगों को चोटें आईं। अधिकारियों के अनुसार इस घटना में दो घाना के नागरिकों और एक बांग्लादेशी नागरिक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि एक भारतीय नागरिक को मध्यम स्तर की चोटें लगी हैं। घायलों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। इसके साथ ही दुबई प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया है कि इस घटना के बावजूद एयरपोर्ट पर उड़ानों का संचालन सामान्य रूप से जारी है और यात्रियों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो रही है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां इस बात की जांच कर रही हैं कि ये ड्रोन कहां से आए और इन्हें किस उद्देश्य से उड़ाया गया था। बता दें कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन–प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब 12वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अभी भी चरम पर है। ऐसे में उग्र होते हालात के बीच बुधवार को एक बड़ी खबर सामने आई कि ईरान के नवनियुक्त सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई इस्राइल और अमेरिका के हमले में घायल हो गए। इस बात की जानकारी ईरान के राष्ट्रपति के बेटे यूसुफ पेजेशकियन ने यह जानकारी दी। उन्होंने यह भी बताया कि मोजबता अब सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

जंग में घायल हुए मोजतबा खामेनेई ?: राष्ट्रपति के बेटे ने दी अहम जानकारी, बताया कैसे हैं ईरान के सुप्रीम लीडर

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नवनियुक्त सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई सुरक्षित और स्वस्थ हैं। बुधवार को ईरान के राष्ट्रपति के बेटे ने यह जानकारी दी। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि इस्राइल और अमेरिका के साथ जारी संघर्ष के दौरान मोजतबा घायल हो गए हैं। राष्ट्रपति के बेटे और सरकारी सलाहकार यूसुफ पेजेश्कियान ने बताया कि मोजतबा खामेनेई पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने अपने टेलीग्राम चौनल पर लिखा कि मोजतबा के घायल होने की खबरें उन्होंने भी सुनी थीं। इसके बाद उन्होंने कुछ ऐसे लोगों से बात की जिनके सीधे संपर्क हैं। उन लोगों ने पुष्टि की है कि मोजतबा खामेनेई बिल्कुल ठीक हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई है। पहले आई थी घायल होने की खबर इससे पहले ईरान के सरकारी टेलीविजन ने खामेनेई को रमजान युद्ध का एक घायल योद्धा बताया था। हालांकि टीवी रिपोर्ट में इस बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई थी कि उन्हें किस तरह की चोट लगी है या उनकी हालत कैसी है। आईआरजीसी ने कराई नियुक्ति सूत्रों के मुताबिक ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड यानी आईआरजीसी ने मोजतबा खामेनेई को नया सुप्रीम लीडर बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। गार्ड्स का मानना है कि मोजतबा उनकी कट्टरपंथी नीतियों का समर्थन करेंगे। बताया जा रहा है कि कुछ बड़े नेताओं और धार्मिक गुरुओं ने इस फैसले का विरोध किया था लेकिन आईआरजीसी ने उनके विरोध को दरकिनार कर दिया। इसी वजह से उनकी नियुक्ति के आधिकारिक एलान में कुछ घंटों की देरी भी हुई थी। बढ़ सकता है सेना का प्रभाव जानकारों का कहना है कि मोजतबा खामेनेई के आने से ईरान में सेना का दखल और बढ़ सकता है। कुछ पूर्व अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि आईआरजीसी की बढ़ती पकड़ से ईरान एक सैन्य देश में बदल सकता है। इससे सरकार की धार्मिक पहचान कमजोर हो सकती है और जनता के बीच उसका समर्थन कम हो सकता है। आने वाले समय में ईरान की विदेश नीति और भी आक्रामक हो सकती है। इस बदलाव से सरकार के सामने घरेलू और बाहरी चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

'भारत हमारा अच्छा साझेदार': व्हाउट हाउस ने ऐसा क्यों कहा? रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी रियायत की वजह भी बताई

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में पिछले 12 दिनों से जारी भीषण संघर्ष ने वैश्विक तेल आपूर्ति को पूरी तरह से हिला कर रख दिया। इसका अच्छा खासा असर भारत की तेल आपूर्ति पर भी देखने को मिला, जिसके बाद हाल ही में अमेरिका ने भारत को पहले से समुद्री मार्ग में मौजूद रूसी कच्चे तेल को खरीदने और भारतीय रिफाइनरियों तक पहुंचाने की विशेष छूट दी। इस मामले में अब व्हाइट हाउस का बयान सामने आया है, जहां बताया गया है कि आखिर भारत को ये विशेष छूट क्यों दी गई? आइए जानते हैं। बुधवार को व्हाइट हाउस ने अपने बयान में कहा कि अमेरिका ने भारत को पहले से समुद्र में मौजूद रूसी तेल खरीदने की अनुमति इसलिए दी, क्योंकि भारत के लोग अच्छें हैं। दूसरी बात यह है कि भारत अमेरिका का अच्छा साथी साबित हुआ है। बयान में कहा गया कि भारत ने पहले ही अमेरिका की शर्तों का पालन किया और रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया। इसी वजह से अमेरिका ने भारत को यह विशेष छूट दी। वाइट हाउस के अनुसार, यह फैसला इसलिए भी किया गया क्योंकि इससे रूस को कोई बड़ा वित्तीय फायदा नहीं होगा और दुनिया में तेल की आपूर्ति में अस्थायी कमी को पूरा किया जा सकेगा। वहीं इन सवालों के जवाब में व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने बताया कि अमेरिका ने यह फैसला इसलिए किया क्योंकि भारत ने पहले ही रूसी तेल खरीदना बंद कर दिया था। उन्होंने कहा कि भारत हमारे अच्छे साथी रहे हैं, इसलिए हमने उन्हें यह अस्थायी अनुमति दी। लेविट के अनुसार, इस निर्णय का मकसद दुनिया में तेल की अस्थायी कमी को पूरा करना है, जो ईरान के कारण पैदा हुई है।

पत्नी की हत्या कर फरार हुआ भारतीय,एफबीआई ने इनाम बढ़ाकर किया नौ करोड़ रुपये, 10 साल से है मोस्ट वांटेड

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने 2015 में अपनी पत्नी की हत्या के आरोप में फरार भारतीय नागरिक भद्रेश कुमार चेतनभाई पटेल की गिरफ्तारी के लिए इनाम की राशि बढ़ाकर 10 लाख डॉलर (करीब नौ करोड़ रुपये) कर दी है। इससे पहले इस मामले में सूचना देने पर 2.5 लाख डॉलर तक का इनाम घोषित था। 35 वर्षीय भद्रेश कुमार पटेल को एफबीआई की टेन मोस्ट वांटेड फ्यूजिटिव्स सूची में शामिल किया गया है। एजेंसी का मानना है कि वह अभी भी फरार है और बेहद खतरनाक हो सकता है। डोनट शॉप में हुई थी पत्नी की हत्या जांच एजेंसियों के अनुसार यह घटना

12 अप्रैल 2015 को अमेरिका के मैरीलैंड राज्य के हैनोवर शहर में हुई थी। उस समय पटेल और उनकी पत्नी पलाक पटेल एक डोनट शॉप में काम करते थे। आरोप है कि देर रात काम के दौरान पटेल ने दुकान के पिछले कमरे में अपनी 21 वर्षीय पत्नी पर किसी भारी वस्तु से कई बार हमला किया, जिससे उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद ऐसे फरार हुआ आरोपी एफबीआई के मुताबिक हत्या के बाद पटेल दुकान के पिछले दरवाजे से फरार हो गया। इसके बाद वह सड़क पार कर उस अपार्टमेंट में गया, जहां वह अपनी पत्नी के साथ रहता था। वहां से उसने कुछ सामान और नकदी ली और फिर टैक्सी लेकर न्यू जर्सी के न्यूर्क इलाके पहुंच गया। रिपोर्ट के अनुसार वह न्यूर्क लिबर्टी इंटरनेशनल एयरपोर्ट के पास एक होटल में तड़के करीब 3 बजे चेक–इन किया। उसके पास कोई सामान नहीं था और वह सिर्फ पहने हुए कपड़ों में ही होटल पहुंचा था। सुबह करीब 10 बजे उसने होटल से चेक–आउट किया और शटल बस से न्यूर्क पेन स्टेशन पहुंचा। इसके बाद से उसका कोई सुराग नहीं मिला है। हथियारबंद और बेहद खतरनाक माना जा रहा एफबीआई ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि पटेल को हथियारबंद और बेहद खतरनाक माना जाना चाहिए। इसलिए आम लोगों से सावधानी बरतने और किसी भी जानकारी को तुरंत एजेंसियों तक पहुंचाने की अपील की गई है हत्या के पीछे यह वजह हो सकती है

जांचकर्ताओं का मानना है कि हत्या के पीछे भारत लौटने को लेकर दंपत्ति के बीच विवाद हो सकता है। बताया गया कि उस समय दोनों के वीजा की अवधि खत्म हो चुकी थी और पलाक भारत लौटना चाहती थीं, जबकि पटेल इसके खिलाफ था। एफबीआई के विशेष एजेंट जोनाथन शेफर के अनुसार, आरोपी को शायद डर था कि अगर उसकी पत्नी भारत लौट गई तो उसे सामाजिक रूप से शर्मिंदगी का सामना करना पड़ेगा। ग्राहक ने दी थी पुलिस को सूचना हत्या का खुलासा तब हुआ जब एक ग्राहक डोनट शॉप में ऑर्डर देने पहुंचा, लेकिन काफी देर तक कोई कर्मचारी सामने नहीं आया। शक होने पर उसने पुलिस को सूचना दी। पुलिस जब दुकान के अंदर पहुंची तो उन्हें पलाक पटेल का शव मिला।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।